www.cgfrontline.com

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

वर्ष: 01 | अंक: 59 | जशपुर, 15 अक्टूबर 2026 (गुरुवार) | पृष्ठ: 08 | मूल्य: 01 रूपये

निलंबित IPS डांगी की प्राथमिक जांच में आरोप प्रमाणित, जांच टीम में महिला IPS अधिकारी नियुक्त

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिलासपुर। एक महिला योगा टीचर को तत्कालीन IG पुलिस रतनलाल डांगी द्वारा प्रताड़ित किए जाने के मामले में अब एक महिला IPS अफसर पारूल माथुर को प्रस्तुतकर्ता अधिकारी नियुक्त किया गया है।

उल्लेखनीय है कि, पीड़िता ने IG पुलिस रतनलाल डांगी पर अश्लील फोटो एवं मैसेज भेजने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता द्वारा पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के समक्ष गंभीर शिकायत किए जाने पर डीजीपी द्वारा आईपीएस आनंद छाबड़ा एवं आईपीएस मिलना कुर्रे को प्रारंभिक जॉचकर्ता अधिकारी नियुक्त कर उक्त गंभीर मामले की जाँच की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

जांच में पक्षपात का आरोप, हाईकोर्ट में लगाई याचिका

परंतु उक्त जॉच कार्यवाही में पक्षपात एवं गड़बड़ी किए जाने पर पीड़िता ने हाईकोर्ट के वकील अभिषेक पाण्डेय एवं ऋषभदेव साहू के माध्यम से हाईकोर्ट बिलासपुर के समक्ष रिट याचिका दायर की। हाईकोर्ट अधिवक्ता अभिषेक पाण्डेय एवं ऋषभदेव साहू द्वारा हाईकोर्ट के समक्ष यह तर्क प्रस्तुत किया गया कि, उक्त प्रारंभिक जॉच कार्यवाही में आईपीएस आनंद छाबड़ा एवं मिलना कुर्रे द्वारा पक्षपात एवं जॉच कार्यवाही में अनियमितता कर निलंबित आईपीएस रतनलाल डांगी को बचाने का प्रयास किया जा रहा है।

जॉच अधिकारियों को बदलने की रखी गई मांग

अतः पीड़िता द्वारा गंभीर आरोप लगाते हुए जॉच अधिकारियों को बदलने की मांग की गई थी। उच्च न्यायालय, बिलासपुर द्वारा उक्त मामले को अत्यंत गंभीर एवं संवेदनशील मानते हुए सचिव (गृह विभाग) एवं पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को उक्त मामले में तत्काल जवाब प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया था। हाईकोर्ट, बिलासपुर द्वारा उक्त मामले में संज्ञान लिए जाने पर पुलिस विभाग

द्वारा यह जवाब प्रस्तुत किया गया कि, पीड़िता द्वारा आईपीएस रतनलाल डांगी के विरूद्ध की गई गंभीर शिकायत में लगाए गये समस्त आरोप प्राथमिक जॉच कार्यवाही में प्रमाणित कर दिए गये हैं। निलंबित आईपीएस रतनलाल डांगी के विरूद्ध आरोप पत्र जारी कर दिया गया है।

पीड़िता की ओर से लगाई पुनः आपत्ति

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) दीपांशु विजय काबरा को जॉचकर्ता अधिकारी एवं पुलिस महानिरीक्षक प्रशांत अग्रवाल को प्रस्तुतकर्ता अधिकारी नियुक्त किए जाने हेतु डीजीपी द्वारा सचिव, गृह विभाग को प्रस्ताव प्रेषित किया गया है। पीड़िता द्वारा पुनः यह आपत्ति प्रस्तुत करने पर कि, उक्त संवेदनशील एवं महिला के विरूद्ध हुए अपराध की जॉच हेतु एक महिला अधिकारी की नियुक्ति की आवश्यकता है।

प्रशांत अग्रवाल की जगह पारूल माथुर को जिम्मा

पीड़िता की आपत्ति पर सचिव, गृह विभाग द्वारा दिनांक 29.09.2026 को संज्ञान लेते हुए प्रस्तुतकर्ता अधिकारी प्रशांत अग्रवाल को हटाकर महिला आईपीएस अधिकारी पारूल माथुर को प्रस्तुतकर्ता अधिकारी नियुक्त कर उक्त दोनो आईपीएस अधिकारियों को जॉच की जिम्मेदारी सौंप दी गई है, उच्च न्यायालय द्वारा सचिव, गृह विभाग एवं पुलिस महानिदेशक द्वारा प्रस्तुत जवाब से संतुष्ट होकर याचिका का अंतिम निराकरण कर दिया गया।

मिस यूनिवर्स की चमक से जगमगाएगी अंबिकापुर की शाम, डांडिया रास में आएंगी उर्वशी रौतेला

15 अक्टूबर को सरगवां पैलेस में सजेगा सितारों का मंच, नवरात्रि के उत्साह के बीच बॉलीवुड ग्लैमर और डांडिया की धूम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। बॉलीवुड का ग्लैमर, सितारों की चमक और नवरात्रि के उत्सव का रंग—जब ये तीनों एक साथ नजर आएंगे, तो शाम का यादगार होना तय है! अंबिकापुर में 15 अक्टूबर को आयोजित होने जा रहे भव्य डांडिया इवेंट 'डांडिया रास' में बॉलीवुड अभिनेत्री और मॉडल उर्वशी रौतेला अपनी मौजूदगी से आयोजन का आकर्षण बढ़ाने आ रही हैं। सरगवां पैलेस रिसॉर्ट में होने वाले इस कार्यक्रम को लेकर शहर में उत्सुकता का माहौल है।

अंतरराष्ट्रीय मंच से बॉलीवुड तक उर्वशी का ग्लैमरस सफर

फैशन और मनोरंजन की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने वाली उर्वशी रौतेला ने वर्ष 2015 में मिस दिवा का खिताब जीता था और मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। मॉडलिंग से लेकर फिल्मों तक के सफर में उन्होंने अपने स्टाइल, आत्मविश्वास और मंचीय उपस्थिति से दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया है। इनके अंबिकापुर आगमन ने डांडिया रास को लेकर उत्साह और बढ़ा दिया है। स्थानीय दर्शकों के लिए किसी चर्चित बॉलीवुड अभिनेत्री को अपने शहर के आयोजन में देखने का अवसर खास आकर्षण बन सकता है।

डांडिया की खनक, संगीत की मस्ती, सितारों का जलवा

नवरात्रि का पर्व मां दुर्गा की आराधना के साथ-साथ गरबा और डांडिया की रंगीन परंपरा के लिए भी जाना जाता है। इसी सांस्कृतिक उत्साह को भव्य रूप देने के उद्देश्य से आयोजित डांडिया रास में संगीत, पारंपरिक परिधान और उत्सव की उमंग का संगम देखने को मिलेगा। कार्यक्रम में भोजपुरी अभिनेत्री एवं गायिका अक्षरा सिंह की मौजूदगी भी खास आकर्षण रहेगी। एक ओर उर्वशी रौतेला का बॉलीवुड ग्लैमर, तो दूसरी ओर अक्षरा सिंह की लोकप्रियता, इन दोनों सितारों की उपस्थिति से कार्यक्रम को लेकर दर्शकों की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

अंबिकापुर में सजेगी यादगार शाम

15 अक्टूबर को सरगवां पैलेस रिसॉर्ट में होने वाला डांडिया रास शहरवासियों को नवरात्रि के उत्सव का खास अनुभव देने की तैयारी में है। डांडिया की लय, संगीत की धुन और सितारों की मौजूदगी के बीच यह आयोजन मनोरंजन प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बन सकता है। अब इंतजार है उस शाम का, जब अंबिकापुर में नवरात्रि के रंगों के साथ बॉलीवुड का ग्लैमर भी देखने को मिलेगा और डांडिया की थाप पर उत्सव का जोश अपने चरम पर होगा।

कांकेर में एसीबी का बिग एक्शन, घूसखोरी में दो अधिकारी पहुंचे जेल, रिश्वत लेते रंगे हाथ धराए

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कांकेर। उत्तर बस्तर कांकेर जिले के आमाबेड़ा क्षेत्र में भ्रष्टाचार के खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो ने बड़ा एक्शन लिया है. जगदलपुर एसीबी टीम ने दो ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी को गिरफ्तार किया है. दोनों पर 90 हजार रुपये की बीमा राशि दिलावने के नाम पर रिश्वत मांगने का आरोप है. दोनों अधिकारियों को 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया है. दोनों अधिकारियों पर फसल बीमा की राशि निकलवाने के एवज में कुल बीमा राशि का 75 प्रतिशत रिश्वत मांगने का आरोप है. ।

किसान की बीमा राशि के बदले रिश्वत मांगने का आरोप

मिली जानकारी के अनुसार आमाबेड़ा तहसील के आलनार निवासी सगाऊ राम कोमरा ने एंटी करप्शन ब्यूरो, जगदलपुर में शिकायत दर्ज कराई थी. शिकायत में उन्होंने ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी प्रवीण उर्फ रिंकू चंद्राकर और सुंदर लाल बच्छड़ के खिलाफ शिकायत की. इसमें उन्होंने कहा कि उनकी नष्ट हुई फसल के बीमा केस को तैयार कर 90 हजार रुपये की बीमा राशि निकलवाने के एवज में कुल राशि का 75 प्रतिशत हिस्सा रिश्वत के रूप में मांगा गया था।

रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

पीड़ित रिश्वत देने के बजाय दोनों अधिकारियों को रंगे हाथों पकड़वाना चाहता था. शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने मामले का सत्यापन कराया, जिसमें शिकायत सही पाई गई. इसके बाद आज बुधवार को टीम ने ट्रैप कार्रवाई की. इस दौरान दोनों ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों को प्रार्थी से रिश्वत की पहली किस्त के रूप में 20 हजार रुपये लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया गया. दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है. उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 7 और 12 के तहत केस दर्ज किया गया है. ।

दोनों सरकारी अस्पताल 10 साल के लिए निजी हाथों को

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मूल्यांकन समिति की एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में चिकित्सा शिक्षा संचालनालय द्वारा बिलासपुर के कोनी स्थित सिम्स मेडिकल कैंपस में निर्मित 240 बिस्तरों वाले सुपर स्पेशलिटी अस्पताल और 100 बिस्तरों वाले स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट को सार्वजनिक-निजी भागीदारी के तहत संचालित और रखरखाव करने के प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में पीपीपी मॉडल अस्पताल को 10 वर्षों के लिए बिलासपुर के कोनी में कुल 340 बिस्तरों वाले इन दोनों अस्पतालों को एक ही 10-वर्षीय लाइसेंस समझौते के तहत निजी डेवलपर, ऑपरेटर को संचालन और रखरखाव के लिए सौंपने के प्रस्ताव पर विचार किया गया।

अस्पताल में सरकारी योजनाओं (आयुष्मान भारत आदि) के लाभार्थियों और पूरी तरह निःशुल्क मरीजों के लिए आरक्षित रहेंगे। केवल 20 प्रतिशत बिस्तरों का उपयोग पेड मरीजों के इलाज के लिए किया जा सकेगा। सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, नेफ्रोलॉजी और यूरोलॉजी जैसी प्रमुख चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध होंगी। बैठक में विधि एवं विधायी विभाग के प्रमुख सचिव मनीष कुमार ठाकुर, स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया, वित्त सचिव डॉ. रोहित यादव, आदिम जाति विकास विभाग के सचिव भूवनेश यादव सहित अन्य विभागों के अधिकारी एवं संबंधित ऑपरेटर संस्था केपीएमजी के प्रतिनिधि शामिल हुए।

हाईकोर्ट ने पति को दी तलाक की मंजूरी, लगातार झगड़े और अविश्वास को माना मानसिक क्रूरता

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने एक वैवाहिक विवाद में पति को तलाक की मंजूरी देते हुए कहा कि लगातार झगड़े, गहरा अविश्वास और परिवार के सदस्यों के साथ तनावपूर्ण रिश्ते मानसिक क्रूरता का कारण बन सकते हैं। जस्टिस पार्थ प्रतिम साहू और जस्टिस सचिन सिंह राजपूत की डिवीजन बेंच ने पति की अपील स्वीकार करते हुए जगदलपुर फैमिली कोर्ट का फैसला रद्द कर दिया।

जगदलपुर निवासी मितेश पाणिग्रही ने हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 13(1)(a) के तहत पत्नी वेदमती उर्फ ममता से तलाक की मांग की थी। पति का आरोप था कि पत्नी कम आमदनी को लेकर ताने देती थी, उसके चरित्र पर संदेह करती थी और मां से अलग रहने का दबाव बनाती थी। उसने गाली-गलौज, मारपीट और दुर्व्यवहार के भी आरोप लगाए थे।

फैमिली कोर्ट ने 10 दिसंबर 2022 को तलाक की याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद पति ने हाईकोर्ट में अपील की।

हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों के गवाहों के बयान और उपलब्ध सबूतों की जांच की। बेंच ने कहा कि गर्भपात, आत्महत्या की धमकी और दूसरे व्यक्तिगत आरोपों को पर्याप्त सबूतों के अभाव में अपने आप में मानसिक क्रूरता का आधार नहीं माना जा सकता। हालांकि, गवाहों के बयानों से लगातार झगड़े, आपसी अविश्वास, परिवार के सदस्यों से खराब संबंध और साथ रहने के तौर-तरीकों को लेकर बार-बार होने वाले विवादों की पुष्टि हुई।

हाईकोर्ट ने माना कि ऐसे लगातार तनावपूर्ण हालात पति के मानसिक स्वास्थ्य और शांति पर गंभीर असर डाल सकते हैं। इसी आधार पर बेंच ने फैमिली कोर्ट का आदेश निरस्त कर पति को तलाक की मंजूरी दे दी।

कुसमी तहसील में भिक्षा एवं चंदा मांगने वालों का प्रवेश वर्जित

लगाए गए सूचना पट्टिका से मचा बवाल, सकल हिंदू समाज आक्रोशित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बलरामपुर। जिले के कुसमी तहसील कार्यालय परिसर में लगे एक सूचना-पट्ट को लेकर विवाद गहरा गया है। बोर्ड पर भिक्षा एवं चंदा मांगने वालों का प्रवेश वर्जित लिखे जाने से सकल हिंदू समाज नाराज है।

कुसमी तहसील कार्यालय परिसर में एक सूचना-पट्ट लगाया गया है, जिस पर लिखा है-तहसील परिसर में भिक्षा एवं चंदा मांगने वालों का प्रवेश वर्जित है। सकल हिंदू समाज ने इस पर आपत्ति जताई है। समाज का कहना है कि शारदीय नवरात्रि के दौरान इस तरह का बोर्ड लगाने से धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं और लोगों में असंतोष है। हालांकि बोर्ड लगाने के पीछे अधिकारी का उद्देश्य क्या था, इस पर अभी उनका आधिकारिक पक्ष आना बाकी है।

नायब तहसीलदार पर कार्रवाई की मांग

इस मामले को लेकर सकल हिंदू समाज ने 14 अक्टूबर 2026 को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कुसमी के माध्यम से कलेक्टर बलरामपुर के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में नायब तहसीलदार अनुग्रह करकट्टा के विरुद्ध कार्रवाई और उन्हें कुसमी से अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग की गई है। समाज ने मांग की है कि पूरे मामले की जांच कर उचित कदम उठाया जाए।

दो दिन का अल्टीमेटम, नगर बंद व घेराव की चेतावनी

ज्ञापन में समाज ने दो दिनों का अल्टीमेटम दिया है। चेतावनी दी गई है कि यदि दो दिनों के भीतर संबंधित अधिकारी को कुसमी से नहीं हटाया गया, तो सकल

हिंदू समाज नगर बंद करेगा और तहसील कार्यालय का घेराव करेगा। समाज ने कहा है कि आंदोलन की स्थिति बनने पर इसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। इस चेतावनी के बाद प्रशासन में हलचल है।

कई धार्मिक समितियों का समर्थन

ज्ञापन के साथ लगी हस्ताक्षर सूची में कुसमी की कई प्रमुख समितियों के प्रतिनिधियों के हस्ताक्षर हैं। इनमें मां दुर्गा पूजा सेवा समिति, मां समलेश्वरी दुर्गा पूजा सेवा समिति, मां भवानी दुर्गा पूजा सेवा समिति और मां शीतला मंदिर समिति के अध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारी शामिल हैं। इससे स्पष्ट है कि आपत्ति सामूहिक रूप से उठाई गई है।

अब प्रशासन के फैसले पर नजर

तहसील एक सार्वजनिक प्रशासनिक परिसर है, जहां व्यवस्था के लिए निर्देश लगाए जा सकते हैं। ऐसे में सूचना-पट्ट की भाषा, उद्देश्य और परिस्थितियों की निष्पक्ष जांच जरूरी है। फिलहाल संबंधित नायब तहसीलदार और जिला प्रशासन की आधिकारिक प्रतिक्रिया आना बाकी है। अब देखना होगा कि जिला प्रशासन दो दिनों के भीतर क्या निर्णय लेता है और विवाद बातचीत से सुलझता है या आंदोलन की ओर बढ़ता है।

रवि किशन बोले- छत्तीसगढ़िया सबसे बढ़िया, मौका मिला तो छत्तीसगढ़ी फिल्म में करूंगा काम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर पहुंचे भोजपुरी फिल्मों के अभिनेता और भाजपा सांसद रवि किशन ने सिनेमा, युवा पीढ़ी और राजनीति को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने छत्तीसगढ़ी फिल्म इंडस्ट्री में काम करने की इच्छा जताई। इसके साथ ही उन्होंने नई पीढ़ी यानी जेनरेशन को देश का भविष्य बताया। इस दौरान रवि किशन ने उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भी बड़ा राजनीतिक दावा किया। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जीत हासिल करेगी।

छत्तीसगढ़ी सिनेमा में काम करने की इच्छा जताते हुए रवि किशन ने क्षेत्रीय फिल्म उद्योग के प्रति अपनी रुचि जाहिर की। उनके इस बयान के बाद छत्तीसगढ़ी फिल्मों में उनकी संभावित भागीदारी को लेकर चर्चा हो सकती है। हालांकि, किसी फिल्म, निर्माता या परियोजना से जुड़ने की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। युवा पीढ़ी को लेकर भी रवि किशन ने अपनी बात रखी। उन्होंने Gen Z को देश का भविष्य बताया। उनका यह बयान युवा पीढ़ी के महत्व पर केंद्रित रहा। Gen Z शब्द का इस्तेमाल आमतौर पर नई पीढ़ी के युवाओं के लिए किया जाता है।

हीं, राजनीति पर चर्चा करते हुए रवि किशन ने उत्तर प्रदेश

विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर भाजपा की जीत का दावा किया। उन्होंने आगामी चुनाव में पार्टी की सफलता को लेकर विश्वास जताया। हालांकि, यह उनका राजनीतिक दावा है और चुनाव के वास्तविक परिणाम मतदान तथा मतगणना के बाद ही तय होंगे। रवि किशन अभिनय के साथ राजनीति में भी सक्रिय हैं। भोजपुरी और हिंदी फिल्मों में काम करने के अलावा वह लोकसभा में गोरखपुर संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऐसे में बिलासपुर पहुंचने पर उनके फिल्मी और राजनीतिक बयानों को प्रमुखता मिली।

इस दौरान छत्तीसगढ़ी फिल्म इंडस्ट्री में काम करने की इच्छा उनके बयान का प्रमुख हिस्सा रही। प्रदेश में स्थानीय भाषा में बनने वाली फिल्मों के बीच किसी चर्चित अभिनेता की रुचि क्षेत्रीय सिनेमा के लिए चर्चा का विषय बन सकती है। हालांकि, रवि किशन की ओर से फिलहाल किसी नई छत्तीसगढ़ी फिल्म में अभिनय करने की औपचारिक घोषणा की जानकारी नहीं है। बिलासपुर प्रवास के दौरान उन्होंने छत्तीसगढ़ की संस्कृति और यहां के लोगों की तारीफ करते हुए कहा, "छत्तीसगढ़िया, सबसे बढ़िया।" उन्होंने कहा कि अच्छी कहानी और अवसर मिलने पर वह छत्तीसगढ़ी फिल्मों में अभिनय करना चाहेंगे। उन्होंने भोजपुरी और छत्तीसगढ़ी सिनेमा में पारिवारिक कहानियों की संभावनाओं का भी जिक्र किया।

अमेरिकी गायिका का दावा- विदेशी ताकतें कर रहीं सीजेपी की फंडिंग

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

नई दिल्ली। अमेरिकी गायिका मैरी मिलबेन ने आरोप लगाया है कि कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और उसके सह-संस्थापक अभिजीत दीपके को अमेरिका से भारत-विरोधी फंडिंग मिल रही है। उनका दावा है कि ये दानदाता पीएम नरेंद्र मोदी और भारत के विकास के खिलाफ हैं। मिलबेन ने युवाओं से इन विघटनकारी ताकतों का शांतिपूर्ण तरीके से विरोध करने की अपील की है।

यह बयान ऐसे वक्त आया है जब सीजेपी और विपक्षी दल मतदाता सूची में कथित गड़बड़ी को लेकर दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग कर

रहे हैं। हालांकि, मिलबेन ने अपने आरोपों के समर्थन में कोई ठोस सबूत नहीं दिया है। बता दें कि मिलबेन 2023 में पीएम मोदी के अमेरिकी दौरे पर राष्ट्रगान गाकर चर्चा में आई थीं।

गढ़वतिया धाम में श्रमिकों को साड़ी व अंगवस्त्र देकर किया सम्मानित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

महुली। शारदीय नवरात्रि पर ग्राम मां अष्टभुजी गढ़वतिया देवी धाम में श्रद्धा, सेवा और समर्पण देखने को मिल रहा है। श्री सर्वेश्वरी समूह, अवधूत भगवान राम कुष्ठ सेवा आश्रम, पड़ाव, वाराणसी उत्तरप्रदेश के तत्वावधान में शाखा मकरी कुटिया द्वारा धाम परिसर में नि:शुल्क प्याऊ एवं प्रसाद वितरण सेवा संचालित की जा रही है।

मंगलवार को नवरात्रि के तीसरे दिन धाम की सीढ़ियों एवं अन्य निर्माण कार्यों में श्रमदान कर रहीं माताओं-बहनों को साड़ी तथा पुरुष श्रमिकों को गमछा एवं अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया गया। इस पहल के माध्यम से श्रम करने वाले लोगों के प्रति सम्मान प्रकट करने के साथ सेवा और संवेदना का संदेश दिया गया।

यह सेवा अभियान परम पूज्य अघोरेश्वर महाप्रभु अवधूत भगवान राम जी एवं पूज्य बाबा गुरुपद संभव राम जी की कृपा और गुरु-प्रेरणा से संचालित है।

राखड़ और कोयले की धूल से परेशानी को लेकर अनिश्चितकालीन चक्काजाम शुरू

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। राखड़ और कोयले के परिवहन से फैल रहे धूल-प्रदूषण, सड़क दुर्घटनाओं की आशंका तथा आम नागरिकों को हो रही परेशानियों के विरोध में युवा कांग्रेस का युकां जिला उपाध्यक्ष अभिषेक सिंह सोमु के नेतृत्व में बुधवार से एसईसीएल आवासीय कॉलोनी से भटगांव मुख्य मार्ग पर अनिश्चितकालीन चक्काजाम एवं विरोध प्रदर्शन शुरू हो गई है। पिलखा नायब तहसीलदार मीना सिंह द्वारा काफी समझाइश के बाद भी आंदोलन अनवरत जारी है। युकां जिला उपाध्यक्ष अभिषेक सिंह सोमु ने आरोप लगाया है कि पिछले करीब दो महीने से लगातार शिकायतों के बावजूद समस्याओं के समाधान के लिए अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। क्षेत्र में

राखड़ और कोयले के परिवहन के दौरान उड़ने वाली धूल लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रही है। सड़कों पर जमा राखड़ और कोयले की धूल के कारण वातावरण प्रदूषित हो रहा है, वहीं भारी वाहनों की आवाजाही से सड़क दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है। विशेष रूप से शारदीय नवरात्र के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा का मुद्दा उठाया गया है। मंदिरों में दर्शन-पूजन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आवागमन होता है। इसके अलावा स्कूल जाने वाले छात्र-छात्राओं, उनके अभिभावकों और रोजाना इस मार्ग से गुजरने वाले लोगों को भी धूल तथा भारी वाहनों के कारण परेशानी झेलनी पड़ रही है। एसईसीएल की आवासीय कॉलोनियों और भटगांव मुख्य मार्ग पर जगह-जगह राखड़ एवं कोयले की धूल जमा होने तथा परिवहन के दौरान धूल उड़ने से आसपास के क्षेत्र में प्रदूषण फैल रहा है। इससे नागरिकों के स्वास्थ्य, विद्यार्थियों की पढ़ाई और दैनिक आवागमन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका जताई गई है। युकां नेता ने कि भारी वाहनों का अनियंत्रित आवागमन आम लोगों की सुरक्षा के लिए चिंता का विषय है। क्षेत्र में पहले भी अप्रिय घटनाएं हो चुकी हैं। पूर्व में पिलखा नायब तहसीलदार द्वारा लिखित आदेश जारी कर भारी वाहनों के आवागमन पर सुबह 6 बजे से 10 बजे तक कालोनियों में परिवहन पर रोक लगाने के निर्देश दिए जाने के बाद वाहनों का परिवहन लगातार जारी है। युकां जिला उपाध्यक्ष अभिषेक सिंह सोमु ने आरोप लगाया कि राखड परिवहन हेतु निर्धारित रूट चार्ट को छोड़कर मनमाने तरीके से इस मार्ग पर बेवजह उपयोग कर लोगों की जान से खिलवाड़ किया जा रहा है। जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन को कई बार अवगत कराए जाने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। जिस पर बुधवार से अनिश्चितकालीन चक्काजाम व धरना प्रदर्शन शुरू किया गया है। आंदोलन में युकां जिला उपाध्यक्ष अभिषेक सिंह सोमु, पार्षद संजीत यादव, पूर्व नपं बिश्रामपुर अध्यक्ष आशीष यादव, पूर्व पार्षद जय प्रकाश यादव, संजय सोनी, राहुल सिंह, सुनील कुमार सारथी, लिवनेश पावले, विनय सिंह, नीरज सिंह, प्रेमजीत सिंह, पवन मिश्रा, अवतार सिंह मान, गौतम सिंह, अभिषेक गुप्ता, अमित त्रिपाठी, दुर्गा सिंह, अविनाश पांडेय, रिंकू सलूजा, मुकेश सिंह, संजीव शेट्टी, परमेश्वर राजवाड़े सहित अन्य सक्रिय हैं।

एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र की खदानों में सुरक्षा जांच 22 से 27 तक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र में खदानों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर क्षेत्रीय सुरक्षा समिति द्वारा निरीक्षण अभियान चलाया जाएगा। 22 से 27 अक्टूबर तक प्रस्तावित इस अभियान के तहत क्षेत्र की विभिन्न खदानों, केंद्रीय अस्पताल, रेस्क्यू इकाई और व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र का निरीक्षण किया जाएगा। इसके लिए क्षेत्रीय सुरक्षा समिति के सदस्यों को दो टीमों में विभाजित किया गया है। निरीक्षण के दौरान संबंधित खदानों में सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया जाएगा तथा कामगारों की सुरक्षित कार्यप्रणाली पर विशेष ध्यान दिए जाने की उम्मीद है। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र के महाप्रबंधक कार्यालय से जारी पत्र के माध्यम से संबंधित सहक्षेत्र प्रबंधकों को निरीक्षण की निर्धारित समय-सारणी के अनुसार आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

पत्र में कहा गया है कि निरीक्षण दलों के आवागमन के लिए निर्धारित तिथि को सुबह 9 बजे बिश्रामपुर ट्रांजिट कैंप से वाहन उपलब्ध कराया जाए। साथ ही सभी संबंधित कार्य निरीक्षकों को निर्देशित किया गया है कि वे सुरक्षा समिति के सदस्यों के साथ निरीक्षण में शामिल रहें। क्षेत्रीय सुरक्षा समिति के निरीक्षण के लिए गठित टीम ए का नेतृत्व इंद्रजीत सिंह करेंगे। इस टीम में एटक से राजेश सिंह, बीएमएस से मनोज कुमार सिंह, एचएमएस से रामचंद्र जायसवाल, सीटू से मुंशीलाल पटेल तथा इनमोसा से राजेंद्र नगपुरे शामिल हैं।

वहीं टीम बी का नेतृत्व आश्विन पाटले करेंगे। इस टीम में एटक से केके सिंह, बीएमएस से मुनमुन सिंह, एचएमएस से विकास कुमार, सीटू से राम लाल तथा इनमोसा से विनय श्रीवास्तव को शामिल किया गया है। दोनों टीमों में विभिन्न श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों की भागीदारी रखी गई है, जिससे निरीक्षण के दौरान कामगारों से जुड़े सुरक्षा संबंधी विषयों को भी सामने लाया जा सके।

जारी निरीक्षण कार्यक्रम के अनुसार 22 अक्टूबर को रेहर खदान में टीम ए और गायत्री खदान में टीम बी निरीक्षण करेगी। इसी दिन केतकी खदान में भी टीम ए का निरीक्षण प्रस्तावित है। 23 अक्टूबर को बलरामपुर खदान में टीम बी पहुंचेगी, जबकि कुम्दा 7/8 खदान का निरीक्षण टीम ए करेगी। 24 अक्टूबर को आमगांव खदान में टीम बी तथा अमेरा खदान में टीम ए निरीक्षण करेगी। 26 अक्टूबर को केंद्रीय अस्पताल और 10 रेस्क्यू इकाई का निरीक्षण टीम बी द्वारा किया जाएगा। 27 अक्टूबर को व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र में टीम ए निरीक्षण करेगी। कोयला खदानों में काम के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन बेहद महत्वपूर्ण होता है। ऐसे में क्षेत्रीय सुरक्षा समिति का यह निरीक्षण अभियान खदानों में उपलब्ध सुरक्षा व्यवस्थाओं, कामकाज की परिस्थितियों और संभावित जोखिमों की समीक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सूचना का अधिकार अधिनियम के क्रियान्वयन हेतु प्रशिक्षित हुए जिला स्तरीय अधिकारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु यहां संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। संयुक्त कलेक्टर एवं जन सूचना अधिकारी प्रशान्त कुमार कुशवाहा के नेतृत्व में जिला स्तर के कार्यालयों के पदनामित एफएओ एवं पीआईओ का प्रशिक्षण दिया गया। छत्तीसगढ़ राज्य सूचना आयोग के निर्देशानुसार आयोजित इस प्रशिक्षण में सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के प्रावधानों की जानकारी दी गई। इस दौरान आवेदन प्रक्रिया, निर्धारित समय-सीमा तथा आवेदनों एवं अपीलों के विभिन्न पहलुओं के से संबंधित प्रकरणों का नियमानुसार समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के बारे में बताया गया। प्रशिक्षण

निराकरण के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई।प्रशिक्षण के माध्यम से अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक प्रक्रियाओं से अवगत कराया गया तथा सूचना का अधिकार कार्यक्रम में जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर प्रेमचंद सोनी, धर्मसाय लकड़ा, संतोष उपाध्याय एवं रमेश गुप्ता के द्वारा अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया।

पीएमजीएसवाई व पीडब्लूडी की बदहाल सड़कों पर मंत्री ने सुधार हेतु दिए निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। भटगांव विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना व पीडब्ल्यूडी के निर्मित सड़कों की खराब स्थिति को लेकर महिला बाल विकास मंत्री एवं भटगांव विधायक श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कड़ा रुख अपनाते हुए कलेक्टर को जल्द सुधार कार्य कराए जाने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर को भेजे पत्र में कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने उल्लेख किया है कि क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान ग्रामीणों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने सड़कों की बदहाली से आवागमन में हो रही परेशानी की जानकारी दी थी। जिस पर कलेक्टर सुरजपुर को संबंधित

सड़कों की स्थिति सुधारने के लिए तत्काल कार्रवाई कराई जाए। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने पत्र में उल्लेख किया है कि नई बनी सड़कों की खराब हालत के कारण ग्रामीणों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने विभाग की ओर से प्रस्तुत सूची में शामिल सड़कों का निरीक्षण कर उनकी वास्तविक स्थिति का आकलन करने को कहा है। साथ ही गारंटी अवधि अंतर्गत आने वाली सड़कों की मरम्मत संबंधित ठेकेदारों से अनुबंध की शर्तों के अनुसार कराएं जाएं। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने मरम्मत कार्य शीघ्र शुरू कराने और उसकी गुणवत्ता पर निगरानी रखने को कहा है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि कार्य में देरी या लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में अच्छी सड़कों की उपलब्धता लोगों के रोजमर्रा के आवागमन और जरूरी सेवाओं तक पहुंच के लिए महत्वपूर्ण है। सरकारी योजनाओं के तहत किए गए निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और रखरखाव में जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए। सड़कों की मरम्मत में लापरवाही को नजर अंदाज नहीं किया जाएगा।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े की पहल पर 12 घंटे में लटोरी पहुंची एएलएस एंबुलेंस

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े की पहल पर ग्राम पंचायत लटोरी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को एडवांस लाइफ सपोर्ट एएलएस 108 एंबुलेंस की

सुविधा मिली है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने आज सेवा संकल्प अभियान के तहत हरी झंडी दिखाकर एंबुलेंस को रवाना किया। इस अवसर पर मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना सुशासन सरकार की प्राथमिकता है। हमारा निरंतर प्रयास है कि ग्रामीण एवं दूरस्थ अंचलों में भी स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित हो और जरूरतमंदों को समय पर उपचार मिल सके। लटोरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एएलएस एंबुलेंस की सुविधा से गंभीर मरीजों और दुर्घटना पीड़ितों को आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस सुविधा से लटोरी सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को लाभ होगा और जरूरत पड़ने पर मरीजों को बेहतर उपचार के लिए उच्च स्वास्थ्य संस्थानों तक सुरक्षित पहुंचाने में सहायता मिलेगी। ज्ञात हो कि 13 अक्टूबर को सूरजपुर में इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल से लटोरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए एक एंबुलेंस उपलब्ध कराने का आग्रह किया था। स्वास्थ्य मंत्री ने तत्काल एंबुलेंस उपलब्ध कराने की घोषणा की और 12 घंटे के भीतर एंबुलेंस लटोरी पहुंच गई। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी उपस्थित थे।

नशे के कारोबारी को न्यायालय ने दी 10 वर्ष सश्रम कारावास व 1 लाख अर्थदण्ड की सजा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। नशे के कारोबार में लिप्त आरोपी को न्यायालय ने 10 वर्ष सश्रम कारावास व 1 लाख रूपये अर्थदण्ड की सजा सुनाई है। बताया गया है कि 10

मार्च 2025 को थाना झिलमिली पुलिस ने मुखबीर की सूचना पर ग्राम दवना में सुशील दास देवांगन 28 वर्ष ग्राम दवना के कब्जे से नशीली इंजेक्शन एविल 220 नग व रेक्सोजेसिक 210 नग कुल 430 नग नशीली इंजेक्शन जप्त कर धारा 21(सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत् मामला पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया था। मामले के विवेचक एएसआई महेन्द्र सिंह मरावी के द्वारा प्रकरण में पुख्ता साक्ष्य संकलित कर आरोप पत्र विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट न्यायालय में पेश किया। प्रकरण का संचालन विशेष लोक अभियोजक रमेश सिंह कुशवाहा द्वारा किया गया।

इस मामले की सुनवाई विशेष न्यायाधीश मानवेन्द्र सिंह के यहां हुई। न्यायालय ने मामले की सुनवाई पूरी करते हुये प्रकरण के समग्र तथ्यों, गवाहों के कथन, एफएसएल रिपोर्ट के आधार पर अपराध सिद्ध होने पर निर्णय 13 अक्टूबर में आरोपी सुशील दास देवांगन को स्वापक औषधि एवं मन: प्रभावी पदार्थ अधिनियम 1985 की धारा 21(सी) के आरोप में दस वर्ष (10 वर्ष) के सश्रम कारावास एवं 1 लाख रूपये के अर्थदण्ड से दंडित किया है।

पांचवें दिन भी मां-बेटे के दोहरे हत्याकांड का सुराग नहीं, धोबी समाज ने एसपी को सौंपा ज्ञापन

निष्पक्ष जांच और आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग, लापरवाही पर धरना प्रदर्शन का दिया अल्टीमेटम

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत केशवनगर के ममता कॉलोनी में महिला शिक्षिका रजनी बरेठ और उनके पुत्र सुजल बरेठ की नृशंस हत्या के मामले में पांचवें दिन भी पुलिस के हाथ कोई ठोस सुराग नहीं लग सका है। मां-बेटे की निर्मम हत्या से क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। वहीं अब इस जघन्य वारदात को लेकर सामाजिक संगठनों ने भी आवाज बुलंद करनी शुरू कर दी है। इसी कड़ी में बुधवार को धोबी समाज के संभागीय प्रतिनिधिमंडल ने सूरजपुर पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल को ज्ञापन सौंपकर मामले की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच कराने तथा वास्तविक दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। ज्ञात हो कि ममता कॉलोनी में हुई इस दोहरी हत्या ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। शिक्षिका रजनी बरेठ और उनके पुत्र सुजल बरेठ की हत्या के बाद से ही पुलिस मामले की गुत्थी सुलझाने में जुटी हुई है। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल स्वयं मामले की लगातार निगरानी कर रहे हैं। जिले के अलग-अलग थाना एवं चौकियों के तेजतर्रार पुलिसकर्मियों को जांच में लगाया गया है, जो अपने-अपने स्तर पर विभिन्न पहलुओं की पड़ताल कर रहे हैं। हालांकि पांच दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस को ऐसा कोई ठोस सुराग नहीं मिल सका है, जिससे हत्याकांड की गुत्थी सुलझने की दिशा स्पष्ट हो सके। घटना के पीछे का कारण क्या है और वारदात को किसने अंजाम दिया, इन सवालों के जवाब का इंतजार मृतक परिवार के साथ-साथ क्षेत्रवासियों को भी है। दोहरे हत्याकांड मामले में आज संभागीय धोबी समाज के प्रतिनिधि मंडल द्वारा पुलिस अधीक्षक को सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि मां-बेटे की निर्मम हत्या अत्यंत हृदयविदारक और मानवता को शर्मसार करने वाली घटना है। इस वारदात ने आम नागरिकों के मन में सुरक्षा को लेकर चिंता पैदा कर दी है। रजनी बरेठ और उनके पुत्र सुजल बरेठ की मौत केवल एक परिवार की अपूरणीय क्षति नहीं, बल्कि समाज की संवेदनाओं और कानून-व्यवस्था से जुड़ा गंभीर विषय भी है। समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय दिलाना और घटना के वास्तविक दोषियों को कानून के कटघरे तक पहुंचाना पुलिस प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारी की निगरानी में विशेष जांच दल गठित करने तथा जांच की नियमित समीक्षा करने की मांग भी की गई है। ज्ञापन में मांग की गई है कि घटनास्थल के निरीक्षण, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल ट्रेसिंग तथा अन्य उपलब्ध साक्ष्यों की नियमानुसार वैज्ञानिक तरीके से जांच की जाए। हत्या के पीछे संभावित कारणों, आपसी रंजिश और साजिश समेत सभी संबंधित पहलुओं की गहन पड़ताल की जाए, ताकि कोई भी महत्वपूर्ण तथ्य जांच से छूटने न पाए।

धोबी समाज ने यह भी कहा है कि उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान कर शीघ्र गिरफ्तारी की जाए। यदि जांच के दौरान किसी अधिकारी या कर्मचारी की लापरवाही अथवा साक्ष्यों से छेड़छाड़ सामने आती है, तो संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। समाज ने अपने ज्ञापन में निष्पक्ष जांच पर विशेष जोर देते हुए कहा है कि किसी भी दोषी को उसके प्रभाव, पहुंच अथवा आर्थिक स्थिति के कारण संरक्षण नहीं मिलना चाहिए। वहीं पर्याप्त साक्ष्यों के अभाव में किसी निर्दोष व्यक्ति को आरोपी भी नहीं बनाया जाना चाहिए। जांच पूरी होने के बाद निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के तहत आरोप पत्र प्रस्तुत कर प्रभावी अभियोजन सुनिश्चित करने की मांग की गई है। साथ ही पीड़ित परिवार को शासन की लागू योजनाओं और पात्रता के अनुरूप आर्थिक सहायता एवं आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने का आग्रह भी किया गया है। धोबी समाज के प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि इस गंभीर मामले में ठोस कार्रवाई और जांच में पारदर्शिता आवश्यक है। यदि उचित कार्रवाई नहीं होती है, तो न्याय की मांग को लेकर सक्षम उच्चाधिकारियों एवं शासन के समक्ष मामला उठाया जाएगा। जरूरत पड़ने पर समाज द्वारा धरना-प्रदर्शन भी किया जाएगा।

ज्ञापन सौंपने वालों में धोबी समाज के संभागीय अध्यक्ष राकेश कुमार रजक, बाबूलाल, रामफल रजक, श्रीमती नीलम, उमेश कुमार, जगदेव रजक, महेश कौशिक सहित अन्य उपस्थित रहे।

अंबिकापुर यूनाइटेड और बलसेड़ी ने जीते नॉकआउट कम लीग फुटबॉल के मुकाबले

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। नगर के गांधी स्टेडियम में चल रही संभाग स्तरीय नॉकआउट कम लीग फुटबॉल प्रतियोगिता 2026 में कल दो रोमांचक मुकाबले खेले गए जिसमे पहला मैच अंबिकापुर यूनाइटेड और कुम्हरता एवं दूसरा मैच बलसेड़ी और घटगांव के मध्य खेला गया। दोनों मैचों में दर्शकों को शानदार फुटबॉल का नजारा देखने को मिला।

पहला मैच अंबिकापुर यूनाइटेड और कुम्हरता के बीच खेला गया। मैच की शुरूआत से ही अंबिकापुर यूनाइटेड के खिलाड़ियों ने मैदान पर अपना दबदबा बनाए रखा। बेहतरीन तालमेल और आक्रामक खेल के दम पर प्रथम हाफ में ही टीम ने 1-0 की बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में भी अंबिकापुर की टीम ने अपना आक्रमण जारी रखा और लगातार दो और गोल दागकर स्कोर 3-0 कर दिया। कुम्हरता की टीम ने वापसी की कोशिश की, लेकिन अंबिकापुर के डिफेंस के सामने उनकी एक न चली। अंत में अंबिकापुर यूनाइटेड ने 3-0 से मैच अपने नाम कर अगले दौर में प्रवेश किया।

दूसरा मुकाबला टूनामेंट के सेकंड राउंड का था, जो बलसेड़ी और घटगांव के मध्य खेला गया। यह मैच बेहद संघर्षपूर्ण रहा ।प्रथम हाफ में दोनों टीमों ने एक-दूसरे पर गोल करने के कई प्रयास किए, शानदार पास और ड्रिब्लिंग देखने को मिली, लेकिन दोनों ही टीमें गोल करने में नाकाम रहीं। दूसरे हाफ में भी यही स्थिति बनी रही, दोनों टीमों का स्कोर 0-0 रहा ।मैच का निर्णय टाई ब्रेकर से किया गया, जिसमें बलसेड़ी की टीम ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए 3-1 से जीत दर्ज कर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। घटगांव की टीम ने कड़ी टक्कर दी लेकिन किस्मत ने साथ नहीं दिया। मैचों में निर्णायक की भूमिका में ललित किशोर, सुशील, विकास, नीलभूषण, रामबहादुर लाम्बा रहे। इस अवसर पर कार्यकारिणी सदस्य दीपक कुजूर, कमलेश किस्पोट्टा, अखिलानंद, मंगल सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित थे।

विशेष आधार शिविर में उमड़ी भीड़, एक दिन में 411 प्रकरणों का निराकरण शुरू

शंकरगढ़ में 15 और कुसमी में 16 अक्टूबर को लगेगा शिविर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बलरामपुर। आधार कार्ड से वंचित नागरिकों को सुविधा देने और आधार संबंधी त्रुटियों के निराकरण के लिए जिला प्रशासन द्वारा चिप्स के सहयोग से जनपद पंचायत कार्यालय बलरामपुर में विशेष आधार शिविर आयोजित किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में पहुँचे नागरिकों से कुल 411 प्रकरण प्राप्त हुए, जिनके पंजीयन, सुधार और अद्यतन की प्रक्रिया प्रारंभ की गई। प्राप्त प्रकरणों में सर्वाधिक 220 नाम सुधार और 135 जन्मतिथि सुधार के रहे। इसके अलावा 13 नए आधार पंजीयन, 12-12 बायोमेट्रिक मिलान व लिंग परिवर्तन, 6 आधार निरस्तीकरण, 5 सुधार सीमा पार, 3 अनिवार्य बायोमेट्रिक अद्यतन, 2-2 आधार लॉक व दिव्यांगजन तथा 1 निष्क्रिय आधार से संबंधित प्रकरण शामिल हैं। निर्धारित समय-सारणी के अनुसार 15 अक्टूबर को जनपद पंचायत कार्यालय शंकरगढ़ तथा 16 अक्टूबर को जनपद पंचायत कार्यालय कुसमी में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक शिविर लगेंगे, जहाँ नए आधार पंजीयन के साथ सुधार एवं अद्यतन की सुविधा मिलेगी।

जिला स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस मे 112 बाल वैज्ञानिकों ने पेश किए नवाचार, 20-21 नवंबर को स्तरीय सम्मेलन में दिखाएंगे प्रतिभा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बलरामपुर। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय बलरामपुर में जिला स्तरीय राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस 2026 का आयोजन उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, रायपुर द्वारा प्रायोजित इस सम्मेलन का उद्देश्य स्कूली बच्चों में वैज्ञानिक सोच विकसित करना और स्थानीय समस्याओं का समाधान विज्ञान के जरिए खोजने के लिए प्रेरित करना था। इस वर्ष भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा मुख्य विषय साइंस एंड इनोवेशन फॉर सस्टेनेबिलिटी रखा गया है, जिसके 5 उपविषयों पर जिले के 112 विद्यार्थियों ने अपने नवाचार आधारित लघु शोध प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए।

सीनियर वर्ग के विजेता -प्रथम स्थानः कुमारी रोशनी सिंह, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रनहत - प्रोजेक्टः जैविक नियंत्रण ,द्वितीय स्थानः अनुष्का, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शंकरगढ़ - प्रोजेक्टः कृषि एवं स्वास्थ्य , तृतीय स्थानः पंकज कुमार, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय केरता - प्रोजेक्टः फूड, हेल्थ एवं आयुर्वेद ।

जूनियर वर्ग के विजेता -प्रथम स्थानः इति दुबे, सेजेस अंग्रेजी माध्यम विद्यालय रामानुजगंज - प्रोजेक्टः फ्यूचर ऑफ डिसेलिनेशन ,द्वितीय स्थानः नीतू सिंह, पूर्व माध्यमिक शाला बादा, राजपुर - प्रोजेक्टः पोषणयुक्त खाद्य पदार्थ का उत्पादन । निर्णायक मंडल ने सभी प्रतिभागियों के प्रोजेक्ट की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों ने स्थानीय संसाधनों और समस्याओं को विज्ञान से जोड़कर बेहतरीन समाधान प्रस्तुत किए हैं।

कार्यक्रम के आयोजक रविशंकर श्रीवास ने बताया कि जिले में विज्ञान के प्रति बच्चों का रुझान लगातार बढ़ रहा है, जो भविष्य के लिए शुभ संकेत है। विद्यालय के प्राचार्य चंद्रशेखर प्रसाद गुप्ता ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अब राज्य स्तर पर दिखाएंगे प्रतिभा

जिला स्तर पर चयनित ये सभी प्रतिभागी अब 20 एवं 21 नवंबर को पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक सम्मेलन में बलरामपुर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

'सनातन संस्कारों का पालन करने वाला मन कभी रोगी नहीं हो सकता' - अमोलक सिंह ढिल्लों

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। जीवन अनमोल है अभियान के तहत समाजसेविका शिल्पा पाण्डेय के नेतृत्व में सेंट जेवियर इंग्लिश मीडियम, हिंदी मीडियम एवं सेंट जेवियर बीएड कॉलेज में लगभग 1500 बच्चों के बीच तनाव प्रबंधन एवं मानसिक मजबूती को लेकर भव्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने खुलकर अपनी बातें रखीं।

संस्कार ही मन को मजबूत बनाते हैं- अमोलक सिंह ढिल्लों

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एडिशनल एसपी विशेष मामले अमोलक सिंह ढिल्लों ने कहा, ₹सनातन संस्कृति एवं संस्कारों के अनुपालन से मन कभी रोगी नहीं हो सकता। जो बच्चा अपने परिवार के संस्कारों को साथ लेकर चलता है, अपनी सनातन विरासत और समाज की मयार्दाओं का पालन करता है, उसका मन हमेशा मजबूत रहेगा, कभी कमजोर नहीं हो सकता।

विशेषज्ञों ने दिए अहम टिप्स

ब्रह्माकुमारी बीके विद्या दीदीः- कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही संस्थान की संचालिका ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बच्चों में उत्साह और सकारात्मक नजरिया बढ़ाने के गुर सिखाए और नशामुक्ति का संकल्प भी दिलाया। डॉ. पैकरा (मेंटल हेल्थ नोडल, मेडिकल कॉलेज):- उन्होंने कहा, ₹कोई भी परेशानी आपके जीवन से बड़ी नहीं है। हर कीमत पर जीवन की रक्षा होनी चाहिए। बिना किसी दबाव के जीवन जीएं और अपनी मानसिक स्थिति के प्रति सजग रहें। काउंसलर अंजुला मिश्रा (ब्लड बैंक):- उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन निवास करता है। खान-पान पर विशेष ध्यान दें ताकि भविष्य में गंभीर बीमारियों से बचा जा सके।

अंक ही सबकुछ नहीं-शिल्पा पाण्डेय

जीवन अनमोल है अभियान की संयोजक अधिवक्ता शिल्पा पाण्डेय ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा, कम या ज्यादा अंक आपकी मेहनत का आकलन हो सकते हैं, लेकिन वे आपकी पूरी प्रतिभा, संस्कार, संवेदनशीलता और इंसानियत का प्रमाणपत्र नहीं हैं। हर बच्चा अलग होता है, किसी में खेल की प्रतिभा तो कोई कला-संगीत में असाधारण। कम अंक आना असफल जीवन का प्रमाण नहीं, बल्कि रणनीति सुधारने का अवसर है।

दिव्यांग बच्चों के आंकलन शिविर का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

231 बच्चों का परीक्षण, 68 चिन्हित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। समग्र शिक्षा की समावेशी शिक्षा अंतर्गत सरगुजा जिले के 6 से 18 वर्ष आयु वर्ग के दिव्यांग बच्चों के लिए एलिम्को के सहयोग से विकासखंड स्तरीय आंकलन शिविर का आयोजन किया गया। कलेक्टर अजीत वसंत और जिला पंचायत सीईओ रोमा श्रीवास्तव ने लखनपुर जनपद पंचायत सभाकक्ष में आयोजित शिविर का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। यह शिविर कलेक्टर एवं जिला मिशन समन्वयक समग्र शिक्षा के मार्गदर्शन और सीईओ जिला पंचायत एवं जिला परियोजना संचालक समग्र शिक्षा के निर्देशन में आयोजित किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य विशेष आवश्यकता वाले बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण, आवश्यकता निर्धारण, यूनिक आईडी कार्ड / दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाना और सभी प्रकार के दिव्यांगता आधारित मूल्यांकन करना है।

दो ब्लॉक के 231 बच्चे हुए शामिल

जिला मिशन समन्वयक सर्वजीत पाठक ने बताया कि पूर्व निर्धारित समय सारणी के अनुसार आयोजित इस शिविर में लखनपुर विकासखंड से 176 और उदयपुर विकासखंड से 55 कुल 231 दिव्यांग बच्चे अपने अभिभावकों और शिक्षकों के साथ शामिल हुए। शिविर में कुल 68 बच्चों को मेडिकल प्रमाण पत्र, वऊकऊ कार्ड और सहायक उपकरण के लिए चिन्हित किया गया।

विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने किया परीक्षण

दिव्यांग बच्चों के परीक्षण के लिए विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम मौजूद रही, जिसमें डॉ. नीरज कुशवाहा, डॉ. प्रेमसाय, डॉ. अभिजीत जैन, डॉ. विनोद पैकरा, गिरीश पैकरा, डॉ. दीक्षा सिंह, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट जयप्रकाश सिंह, अंकित सिन्हा, आभा साहू, मीना राय शामिल रहे। एलिम्को की टीम द्वारा बच्चों का उचित नाप एवं परीक्षण कर हियरिंग ऐड, कैलिपर्स, ट्राई साइकिल जैसे सहायक उपकरण प्रदान करने के लिए चिन्हांकन किया गया। चिन्हित बच्चों को जल्द ही ये सहायक सामग्री प्रदाय की जाएगी।

कलेक्टर ने दिए निर्देश

कलेक्टर अजीत वसंत ने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि शत-प्रतिशत बच्चों का आंकलन कर पात्र बच्चों को समय पर दिव्यांगता प्रमाण पत्र, वऊकऊ कार्ड और सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाएं, ताकि उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ मिल सके। शिविर में सभी दिव्यांग बच्चों और उनके पालकों के लिए भोजन की व्यवस्था समग्र शिक्षा विभाग द्वारा की गई थी। इस अवसर पर एसडीएम, जनपद सीईओ, विकासखंड शिक्षा अधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

परशू आभूषण भंडार का मेगा लकी ड्रा पंचदेव मंदिर प्रांगण में सम्पन्न

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। शहर के प्रतिष्ठित परशू आभूषण भंडार द्वारा ग्राहकों के लिए आयोजित मेगा लकी ड्रा का आयोजन आज पंचदेव मंदिर के प्रांगण में धूमधाम से सम्पन्न हुआ। दुकान द्वारा 2000 रुपये की खरीद पर एक कूपन दिया गया था, उसी कूपन योजना का ड्रा आज निकाला गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान लक्ष्मी-नारायण, मां सरस्वती एवं पंचदेव मंदिर की पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इसके बाद लकी ड्रा कार्यक्रम प्रारंभ हुआ।

अतिथियों की उपस्थिति

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रद्युमन पांडे थे, जबकि अध्यक्षता प्रतिष्ठान के संचालक परशुराम सोनी एवं श्रीमती सुनीता सोनी ने संयुक्त रूप से की। मंच पर विशिष्ट अतिथि के रूप में जगन्नाथ कुशवाहा, शिवनाथ सिंह, हनुमान सिंह, कौशल शर्मा, सिंह सनावल, गोविंद मिश्रा, भुवनेश्वर जायसवाल, दिलीप सिंह भटगांव, अशोक सोनी, श्रीमती सुभद्रा सोनी, हरिशंकर पलिया, श्रीमती शीला सोनी उपस्थित थे। मंच का सफल संचालन श्रीमती आस्था सोनी ने किया। इस अवसर पर अंशुल, जयंत, अमन, आयुष सहित सैकड़ों की संख्या में ग्राहक उपस्थित थे।

कलेक्टर का तीन ब्लॉकों में सघन दौरा, कस्तूरबा की छात्राओं की कला देख हुए मुग्ध

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत ने जिला पंचायत सीईओ रोमा श्रीवास्तव के साथ अम्बिकापुर, आकांक्षी विकासखंड लखनपुर और उदयपुर विकासखंड का सघन दौरा किया। इस दौरान उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, कृषि और निर्माण कार्यों से जुड़े विभिन्न संस्थानों का निरीक्षण कर अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय रजपुरी कला में छात्राओं से आत्मीय संवाद

कलेक्टर का पहला पड़ाव रजपुरी कला स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय रहा। यहां उन्होंने छात्राओं द्वारा बनाई गई मधुबनी आर्ट की साड़ी, टेबल क्लॉथ, मिट्टी की ज्वेलरी, धान-अनाज की ज्वेलरी, लिप्पन आर्ट, मंडला आर्ट और वेस्ट मटेरियल से बनी कलाकृतियों का अवलोकन किया और छात्राओं की रचनात्मक प्रतिभा की जमकर सराहना की। उन्होंने छात्राओं की कक्षा में जाकर उनके रहन-सहन, खान-पान और मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली और उनसे संवाद कर उनकी समस्याएं जानीं। कलेक्टर ने जिला मिशन समन्वयक और अधीक्षिका को निर्देश दिए कि बच्चों की रुचि के अनुसार कैरियर गाइडेंस दिया जाए और आर्ट विभाग में आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने 11वीं और 12वीं की छात्राओं को जेईई और नीट की कोचिंग से जोड़ने की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए। साथ ही लखनपुर बीईओ को मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने और जनपद सीईओ को छात्रावास परिसर में बैडमिंटन कोर्ट और अन्य खेल सुविधाएं विकसित करने को कहा।

लखनपुर में दिव्यांग बच्चों के आंकलन शिविर का निरीक्षण

लखनपुर में आयोजित विकासखंड स्तरीय दिव्यांग बच्चों के आंकलन शिविर का कलेक्टर ने निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को शत-प्रतिशत बच्चों का आंकलन कर पात्र बच्चों को समय पर दिव्यांग प्रमाण पत्र और सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

शासकीय रोपणी और मत्स्य बीज प्रक्षेत्र का जायजा

अम्बिकापुर में शासकीय उद्यान रोपणी के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने वेजिटेबल सीडलिंग यूनिट, ग्राफ्टेड टमाटर, भाटा, मिर्च उत्पादन, हल्दी बीजोत्पादन और वर्मी कम्पोस्ट इकाई का अवलोकन किया। उन्होंने पशु और असामाजिक तत्वों से नर्सरी को बचाने के लिए वॉल फेंसिंग का प्राक्कलन आरइएस विभाग से तैयार कराने को कहा। दरिमा स्थित शासकीय मत्स्य बीज प्रक्षेत्र में उन्होंने मछली बीज उत्पादन का जायजा लिया और किसानों को समय पर मत्स्य बीज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

हाई स्कूल दावा और गौधाम का निरीक्षण

हाई स्कूल दावा में कलेक्टर ने शैक्षणिक व्यवस्था, स्वच्छता, पेयजल, शौचालय, बिजली और मध्यान्ह भोजन का निरीक्षण किया। विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें कड़ी मेहनत के लिए प्रेरित किया और शिक्षकों को नियमित उपस्थिति और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर जोर देने को कहा। उदयपुर के दावा ग्राम पंचायत में गौधाम योजना के तहत स्वीकृत स्थल का अवलोकन कर उन्होंने सीसी रोड और बोरवेल लगाने के निर्देश दिए। साथ ही पशु चिकित्सा अधिकारियों को पशुओं के टीकाकरण, कृत्रिम गभार्धान और स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित करने को कहा।

बलरामपुर में एनएच-343 के पोल शिफ्टिंग में गड़बड़ी का आरोप, विद्युत विभाग के कार्यों की जांच की मांग

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के बलरामपुर जिले में ओएंडएम और प्रोजेक्ट विभाग के कार्यों को लेकर गंभीर अनियमितताओं की शिकायत सामने आई है। सामाजिक कार्यकर्ता उत्तम कुमार मिस्त्री ने एनएच-343 पर विद्युत लाइन शिफ्टिंग सहित कई कार्यों में गड़बड़ी की आशंका जताते हुए उच्च स्तर पर जांच की मांग की है।

क्या है पूरा मामला?

शिकायतकर्ता के अनुसार राजपुर से रामानुजगंज तक एनएच-343 पर विद्युत लाइन शिफ्टिंग के लिए एस्टीमेट स्वीकृत है। आरोप है कि रामानुजगंज क्षेत्र में नए खंभे और तार लगाने के बजाय पुराने 11 केवी के लोहे के खंभों पर ही रंग-रोगन कर दोबारा लगाया जा रहा है। मिस्त्री ने मांग की है कि मौके पर भौतिक सत्यापन कराया जाए कि स्वीकृत एस्टीमेट के अनुसार काम हुआ है या नहीं, सुपरविजन चार्ज और तकनीकी मानकों का पालन किया गया है या नहीं, और लाइन चालू करने के लिए आवश्यक सुरक्षा अनुमतियां ली गई हैं या नहीं। हालांकि, इन आरोपों की पुष्टि विभागीय जांच के बाद ही हो सकेगी।

सम्पादकीय

अब पेश करने ही होंगे सबूत

लोकतंत्र में सवाल उठाना विपक्ष का अधिकार है और उनका जवाब देना सरकार व संवैधानिक संस्थाओं की जिम्मेदारी। लेकिन जब सवाल चुनावी व्यवस्था की विश्वसनीयता से जुड़ा हो, तो आरोपों के साथ प्रमाण भी जरूरी होते हैं। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित गड़बड़ियों को लेकर इंडिया ब्लॉक के 11 नेताओं का सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दाखिल करना इसी कसौटी पर परखा जाएगा। राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव समेत विपक्षी नेताओं ने निर्वाचन आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को भी याचिका में पक्षकार बनाया है। अब विपक्ष को बताना होगा कि गड़बड़ी कहां हुई, कितने मतदाता प्रभावित हुए और उसके समर्थन में क्या सबूत हैं। सियासी शक्ति प्रदर्शन से मुद्दा चर्चा में आ सकता है, लेकिन आरोप प्रमाणों से ही सिद्ध होते हैं। याचिका दाखिल करने से पहले विपक्षी नेताओं ने प्रधान न्यायाधीश से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपने का समय मांगा था। इसके बाद बाराखंबा से सर्वोच्च न्यायालय तक मार्च निकाला गया। राहुल गांधी ने इस मार्च की तुलना 'शिवजी की बारात' से की। विभिन्न दलों की भागीदारी और नेताओं की मौजूदगी ने इसे राजनीतिक घटनाक्रम जरूर बनाया, लेकिन मार्च का आकार आरोपों की सत्यता का प्रमाण नहीं है। विपक्ष को अब राजनीतिक नारों से आगे बढ़कर तथ्य सामने रखने होंगे। चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग करना अलग बात है और चुनावी प्रक्रिया में अनियमितता साबित करना अलग। दोनों को एक मानना उचित नहीं होगा। हालांकि, विपक्ष से प्रमाण मांगने का अर्थ उसकी शिकायतों को खारिज करना भी नहीं है। मतदाता सूची से किसी पात्र नागरिक का नाम गलत तरीके से हटना गंभीर मामला है। निर्वाचन आयोग का दायित्व है कि वह प्रक्रिया में पारदर्शिता रखे, शिकायतों का निपटारा करे और त्रुटियां मिलने पर पूरी जवाबदेही के साथ सुधार सुनिश्चित करे। किसी संस्था को सवालों से परे नहीं रखा जा सकता, लेकिन बिना प्रमाण लगाए गए आरोपों को भी अंतिम सच नहीं माना जा सकता। न्यायिक जांच का उद्देश्य ही आरोपों और तथ्यों के बीच अंतर स्पष्ट करना है। कुल मिलाकर अब विपक्ष को सुप्रीम कोर्ट के समक्ष सबूत पेश करने ही होंगे। इसी बीच जंतर-मंतर को निर्धारित प्रदर्शन स्थलों की सूची से हटाने का फैसला भी चर्चा में है। गृह मंत्रालय की समिति की सिफारिश पर रामलीला मैदान, बुराड़ी और पूर्वी दिल्ली के सीबीडी मैदान को प्रदर्शन का वैकल्पिक स्थल बनाया गया है। अण्णा आंदोलन से लेकर पहलवानों के प्रदर्शन तक, जंतर-मंतर लंबे समय से विरोध की आवाज का प्रमुख केंद्र रहा है। संसद के निकट होने के कारण इसका प्रतीकात्मक महत्व भी है। सुरक्षा, यातायात और सार्वजनिक व्यवस्था की चिंताएं अपनी जगह हैं, लेकिन इनके समाधान के नाम पर शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार को कमजोर नहीं किया जाना चाहिए। वैकल्पिक स्थलों पर पर्याप्त सुविधाएं और स्पष्ट नियम सुनिश्चित करना भी जरूरी है। लोकतंत्र में सरकार की जवाबदेही और विपक्ष की जिम्मेदारी, दोनों अनिवार्य हैं। निर्वाचन आयोग को पारदर्शिता से काम करना होगा और विपक्ष को आरोपों के प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे। यदि गड़बड़ी हुई है तो उसका खुलासा और सुधार हो; यदि आरोप प्रमाणित नहीं होते तो राजनीतिक दावों की समीक्षा भी हो। लोकतंत्र की विश्वसनीयता शोर से नहीं, तथ्यों, पारदर्शिता और जवाबदेही से मजबूत होती है।

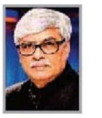

मुद्दा

ओमकार चौधरी

रियाद के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हूती विद्रोहियों के लगातार हमलों ने पश्चिम एशिया को बड़े क्षेत्रीय संघर्ष के मुहाने पर ला खड़ा किया है। दो दिन में हुए हमलों में 13 लोगों की मौत और सैकड़ों के घायल होने से नागरिकों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठे हैं। मृतकों में एक भारतीय भी शामिल है। हवाई सेवाएं बाधित हैं और सऊदी अरब की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। अमेरिका की संभावित सैन्य भागीदारी से टकराव के और व्यापक होने का खतरा है। इसका असर खाड़ी देशों में काम कर रहे भारतीयों की सुरक्षा से लेकर वैश्विक तेल आपूर्ति और व्यापार तक पड़ सकता है। ऐसे में सैन्य जवाबी कार्रवाई के बजाय संघर्ष को फैलने से रोकना और यमन संकट का राजनीतिक समाधान तलाशना अंतरराष्ट्रीय समुदाय की प्राथमिकता होनी चाहिए।

पश्चिम एशिया में युद्ध का खतरा बढ़ा

सऊदी अरब की राजधानी रियाद के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर यमन के हूती विद्रोहियों के लगातार हमलों ने पश्चिम एशिया में सुरक्षा संकट गहरा दिया है। शनिवार, 10 अक्टूबर 2026 को हुए हमले में 13 लोगों की मृत्यु हुई और 309 लोग घायल हुए। मृतकों में एक भारतीय नागरिक भी शामिल है। रविवार, 11 अक्टूबर को लगातार दूसरे दिन हवाई अड्डे को निशाना बनाया गया। इन घटनाओं से अंतरराष्ट्रीय विमान सेवाएं प्रभावित हुई हैं और सऊदी अरब की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठे हैं। अमेरिका की संभावित सैन्य कार्रवाई ने संघर्ष के व्यापक क्षेत्रीय युद्ध में बदलने की आशंका बढ़ा दी है।रियाद का किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा सऊदी अरब के प्रमुख विमानन केंद्रों में शामिल है। शनिवार को हुए हमले से तीसरे और चौथे यात्री भवन के आसपास भारी नुकसान हुआ। विस्फोटों के बाद परिसर में अफरातफरी मच गई। यात्रियों और कर्मचारियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। बचाव दलों ने घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया। सऊदी अधिकारियों के अनुसार, हमले में प्रारंभिक रूप से 12 लोगों की मृत्यु हुई थी। मृतकों में चार सऊदी नागरिक, दो बांग्लादेशी तथा अमेरिका, मिस्र, जॉर्डन, फलस्तीन, सीरिया और सूडान के एक-एक नागरिक शामिल थे। बाद में अस्पताल में एक भारतीय नागरिक की मृत्यु होने से मृतकों की संख्या 13 हो गई। इस हमले का शिकार विभिन्न देशों के निर्दोष नागरिक बने। शनिवार की तबाही से हवाई अड्डा उबर भी नहीं पाया था कि रविवार को दोबारा हमला हो गया। सऊदी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन के अनुसार, एक प्रक्षेपास्त्र चौथे यात्री भवन से टकराया, जिससे आग लग गई। अधिकारियों ने एक अन्य प्रक्षेपास्त्र को हवाई अड्डे के समीप रोकने की जानकारी दी। दूसरे हमले में भी लोग घायल हुए, हालांकि उनकी अंतिम संख्या स्पष्ट नहीं थी। लगातार हमलों ने अत्याधुनिक हवाई रक्षा व्यवस्था की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े कर दिए।भारत के लिए यह घटना विशेष चिंता का विषय है। शनिवार के हमले में घायल भारतीय नागरिक की रविवार को उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। उसकी पहचान हैदराबाद निवासी मोहम्मद यूसुफ अली के रूप में सामने आई। परिवार के अन्य सदस्य भी घायल हुए। भारतीय दूतावास ने पीड़ित परिवार से संपर्क कर आवश्यक सहायता और पार्थिव शरीर भारत पहुंचाने का आश्वासन दिया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मृत्यु पर शोक व्यक्त किया। भारतीय हताहतों की संख्या को लेकर प्रारंभिक सूचनाओं में अंतर था। उपलब्ध विवरणों के अनुसार, एक भारतीय की मृत्यु हुई और दस अन्य घायल हुए। रविवार के दूसरे हमले में अलग से 12 भारतीयों के घायल होने के दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।भारत के विदेश मंत्रालय ने नागरिकों और नागरिक सुविधाओं पर हमलों की कड़ी निंदा की। मंत्रालय ने ऐसे हमले तत्काल रोकने की मांग करते हुए सऊदी अरब की संप्रभुता और सुरक्षा के प्रति समर्थन दोहराया। रियाद स्थित भारतीय दूतावास स्थानीय अधिकारियों तथा अस्पतालों के संपर्क में है।भारत की चिंता इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि सऊदी अरब सहित खाड़ी देशों में बड़ी संख्या में भारतीय काम करते हैं। ये कर्मचारी भारत में अपने परिवारों को धन भेजते हैं। संघर्ष बढ़ने से उनकी सुरक्षा, रोजगार और आवागमन प्रभावित हो सकता है। भारत के सामने अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और क्षेत्रीय संबंधों में संतुलन बनाए रखने की चुनौती है। हूती विद्रोहियों ने हमलों की जिम्मेदारी स्वीकार की है। यमन में सक्रिय इस संगठन का सऊदी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन के साथ लंबे समय से संघर्ष चल रहा है। हूती विद्रोहियों को ईरान का समर्थन प्राप्त है। उनका आरोप है कि यमन में सऊदी सैन्य हस्तक्षेप से व्यापक जनहानि हुई है। संगठन ने रियाद पर हमलों को उसी कार्रवाई का जवाब बताया और भविष्य में भी सऊदी ठिकानों पर हमले जारी रखने की धमकी दी।लेकिन किसी संघर्ष में नागरिक हवाई अड्डों और यात्रियों को निशाना बनाना अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के गंभीर प्रश्न खड़े करता है। सैन्य संघर्ष में भी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना आवश्यक है। सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने हमलों को युद्ध अपराध बताते हुए कठोर जवाब देने की चेतावनी दी। इसके बाद यमन में सैन्य कार्रवाई तेज होने की खबरें आईं। दोनों पक्षों की जवाबी कार्रवाई संघर्ष को अधिक खतरनाक बना सकती है।

रियाद हवाई अड्डे पर हमलों का सिलसिला अक्टूबर में अचानक शुरू नहीं हुआ। सितंबर में ईंधन भंडारण क्षेत्र के समीप हमले और आग लगने की खबर आई थी। अक्टूबर के पहले सप्ताह में रियाद तथा आभा के हवाई अड्डों को निशाना बनाया गया। आठ अक्टूबर को एक खड़े यात्री विमान को नुकसान पहुंचने तथा सऊदी विमान चालक सहित तीन नागरिकों की मृत्यु की जानकारी सामने आई। इन घटनाओं से संकेत मिलता है कि सऊदी अरब का विमानन ढांचा हूती विद्रोहियों की रणनीति का महत्वपूर्ण लक्ष्य बन गया है। सऊदी अरब के लिए संकट केवल हवाई अड्डों तक सीमित नहीं है। उसकी अर्थव्यवस्था में तेल उत्पादन, अंतरराष्ट्रीय व्यापार, पर्यटन और विदेशी निवेश की महत्वपूर्ण भूमिका है। देश तेल पर निर्भरता घटाकर पर्यटन, उद्योग और व्यापार का विस्तार करना चाहता है। लेकिन राजधानी के प्रमुख हवाई अड्डे पर लगातार हमले विदेशी निवेशकों का विश्वास प्रभावित कर सकते हैं। यात्री सुरक्षा पर संदेह बढ़ने से पर्यटन और व्यापारिक गतिविधियों को भी नुकसान पहुंच सकता है। सऊदी अरब की सुरक्षा के लिए प्रत्यक्ष सैन्य हस्तक्षेप किया जाता है तो यमन में संघर्ष और तेज हो सकता है। दूसरी ओर निष्क्रिय रहने से हूती विद्रोहियों को प्रोत्साहन मिलने की आशंका है। अमेरिकी कार्रवाई होने पर ईरान की संभावित प्रतिक्रिया और लाल सागर के समुद्री व्यापार पर उसके प्रभाव को भी ध्यान में रखना होगा।ब्रिटेन और अन्य पश्चिमी देशों ने भी हमलों पर चिंता जताई है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने प्रश्न यह है कि क्या केवल सैन्य जवाब से हूती विद्रोहियों को रोका जा सकता है अथवा यमन के लंबे संघर्ष का राजनीतिक समाधान तलाशना आवश्यक है। पिछले वर्षों का अनुभव बताता है कि सैन्य हमलों के बावजूद हूती संगठन की आक्रमण क्षमता समाप्त नहीं हुई है।इस संघर्ष का आर्थिक प्रभाव सऊदी अरब से बाहर भी पड़ सकता है। पश्चिम एशिया विश्व की ऊर्जा आपूर्ति का प्रमुख केंद्र है। तेल प्रतिष्ठानों और समुद्री मार्गों पर खतरा बढ़ने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनिश्चितता पैदा हो सकती है। भारत जैसे बड़े तेल आयातक देश के लिए यह विशेष चिंता का विषय है। भारत की प्राथमिकता अपने नागरिकों की सुरक्षा, सऊदी अरब के साथ सहयोग और क्षेत्रीय शांति की बहाली होनी चाहिए। रियाद की त्रासदी चेतावनी है कि पश्चिम एशिया में सैन्य टकराव अनियंत्रित हुआ तो उसके मानवीय, राजनीतिक और आर्थिक परिणाम पूरे विश्व को प्रभावित करेंगे।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

पैरवी

रितीश उपाध्याय

न्याय की राह में आर्थिक मजबूरी न बने बाधा

न्याय केवल अदालतों के दरवाजे खुले होने से नहीं मिलता। उसके लिए यह भी जरूरी है कि आम नागरिक अपने अधिकारों को समझते हुए न्यायालय की प्रक्रिया में हिस्सा ले सके और उसे एक सक्षम वकील की सहायता मिल पाए, लेकिन जब वकील की फीस चुकाना ही किसी व्यक्ति के लिए नामुमकिन हो जाए, तो न्याय तक उसकी पहुंच एकदम सीमित हो जाती है। इसी प्रकार की असमानता को दूर करने के लिए भारत के संविधान ने निःशुल्क कानूनी सहायता की व्यवस्था प्रदान की है। लेकिन अहम सवाल यह है कि क्या यह व्यवस्था जरूरतमंदों को सिर्फ वकील उपलब्ध करा रही है या सच में आमजन को प्रभावी प्रतिनिधित्व और न्याय दिला पा रही है? अनुच्छेद 39ए के अंतर्गत भारत के संविधान ने राज्य को यह निर्देश दिया है कि कानूनी व्यवस्था समान अवसर के आधार पर न्याय को बढ़ावा दे और आर्थिक या किसी और प्रकार की अक्षमताओं के कारण किसी नागरिक को न्याय से वंचित न होने दिया जाए। यह राज्य के नीति-निर्देशक तत्वों का हिस्सा है। सर्वोच्च न्यायालय ने मुफ्त कानूनी सहायता को निष्पक्ष न्यायिक प्रक्रिया के संवैधानिक सिद्धांत से जोड़ा है, साथ ही न्यायालय ने समय-समय पर यह माना है कि अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का अर्थ केवल जीवित रहने का अधिकार नहीं, बल्कि कानून के अनुरूप निष्पक्ष प्रक्रिया और न्याय मिलना भी है। हुसैनारा खातून बनाम बिहार राज्य 1979, में सुप्रीम कोर्ट ने लंबे समय से जेलों में बंद कैदियों की स्थिति पर ध्यान दिया और इस फैसले ने यह भी स्पष्ट किया कि गरीब व्यक्ति को मुफ्त कानूनी सहायता न मिलना निष्पक्ष न्याय के रास्ते में गंभीर बाधा है। कानूनी अधिकार तभी सार्थक हैं, जब व्यक्ति उन्हें इस्तेमाल करने की स्थिति में भी हो। लीगल सर्विसेज ऑथोरिटी एक्ट, 1987 ने इस संवैधानिक उद्देश्य को लागू करने के लिए राष्ट्रीय, राज्य, जिला और तालुका स्तर पर संस्थागत व्यवस्था बनाई है। इस अधिनियम की धारा 12 के तहत अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के सदस्य, मानव तस्करी या बेगार के पीड़ित, महिलाएं, बच्चे जिनकी उम्र 18 वर्ष से कम है, दिव्यांग व्यक्ति, निर्दिष्ट आपदाओं और हिंसा के पीड़ित, औद्योगिक श्रमिक तथा हिरासत में रखे गए व्यक्ति मुफ्त कानूनी सहायता के पात्र हैं। इन सब के अलावा सामान्य वर्ग के लोग जो निर्धारित आय-सीमा के भीतर आते हैं वो भी सहायता मांग सकते हैं। एनएएलएसए की हेल्पलाइन 15100 और उसकी आधिकारिक वेबसाइट भी जानकारी पाने के माध्यम हैं। सिर्फ वकील मिलना ही काफी नहीं है, कानूनी सहायता की असल परीक्षा अदालत में होती है। उम्मेद देवी बनाम राजस्थान राज्य 2026 के मामले में हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने इसी अंतर को स्पष्टता से रेखांकित किया है। दहेज संबंधी मांग और कथित उत्पीड़न से जुड़े मामले में अपनी बेटी की मृत्यु के संबंध में आरोपित व्यक्तियों की बरी किए जाने के खिलाफ उम्मेद देवी ने अपील की थी। अपील को दाखिल करने में 19 दिन की देरी हुई और उसे माफ कराने के लिए जरूरी आवेदन नहीं लगाया गया था। हाई कोर्ट में उनकी ओर से कोई वकील उपस्थित नहीं हुआ और मामला बंद कर दिया गया। सर्वोच्च न्यायालय ने अपील को स्वीकार करते हुए कहा कि अदालतों को ऐसे कठिनाइयों के प्रति संवेदनशील रहना चाहिए। जहां वकील की अनुपस्थिति या अपर्याप्त सहायता से किसी व्यक्ति का कानूनी अधिकार प्रभावित हो सकता है, वहां अदालत को प्रभावी कानूनी सहायता सुनिश्चित करने पर विचार करना चाहिए। नेशनल लीगल सर्विसेज अथॉरिटी (फ्री एंड कॉम्पिटेंट लीगल सर्विसेज) रेगुलेशनस, 2010 में पैनल के वकीलों के चयन और उनके काम की निगरानी के प्रावधान हैं। जरूरत इस बात की है कि इन प्रावधानों को काग़ज़ से निकालकर व्यवहार में लागू किया जाए। नियमित समीक्षा, उचित प्रशिक्षण, मुवक्किलों से संवाद और खराब प्रदर्शन पर जवाबदेही तय करना भी अति आवश्यक है। मुफ्त कानूनी सहायता के समक्ष जागरूकता की कमी, अनुभवी वकीलों तक लोगों की पहुंच नहीं होना, सीमित संसाधन और कमजोर निगरानी जैसी चुनौतियां खड़ी हैं। ग्रामीण क्षेत्रों, वंचित समुदायों और समाज के उस वर्ग तक जिसको इसकी सब से जादा ज़रूरत है, वहां लोगों में इसकी जानकारी नहीं है। न्याय तक पहुंच का अर्थ केवल अदालत में प्रवेश नहीं, बल्कि वहां अपनी बात प्रभावी ढंग से रखने का अवसर भी है। जब तक यह अवसर समाज में उपस्थित हर ज़रूरतमंद व्यक्ति को वास्तविक रूप से नहीं मिलता, समान न्याय का वादा अधूरा रहेगा।

(लेखक सुप्रीम कोर्ट में अधिवक्ता हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

प्रसन्न रहने की शुरुआत घर से हो

महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रसन्न रहने की शुरुआत अपने घर से ही होनी चाहिए। हम बाहर तो बहुत खुश रहते हैं, लेकिन घर में अकारण क्रोध से भरे रहते हैं। सभी लोग, खासतौर पर युवा इस बात का ध्यान रखें कि उन्हें घर में भी प्रसन्न रहना है। युवाओं को यह बात याद रहे, इसलिए एक नया मंत्र दे रहा हूं। वे घर और परिवार में भी शांति रखें। कई लोग बाहर से घर में आते ही क्रोधित हो जाते हैं। वे अकारण गुस्सा कर घर वालों को मायूस कर देते हैं। यह हत्या कर देने जैसा अपराध है। मुश्किल यह है कि ये लोग अपनी कमी को मानते भी नहीं। कम से कम वे यह मान लें कि उसमें यह कमी है तो कभी न कभी वह कमी दूर भी की जा सकती है। लंका में कोई मानता ही नहीं था कि वहां कोई रोगी है। परिणाम सबके सामने है। जो माने ही नहीं कि अस्वस्थ है, वह स्वस्थ कैसे हो सकता है? एक और मंत्र याद रखें-छोटी-मोटी बातों को अनदेखा करें। व्यर्थ विवाद में मत उलझें। बात-बात में उलझने की आदत से अशांति ही पैदा होती है। सच्ची प्रसन्नता चाहिए तो इधर-उधर की बातें सुनना ही छोड़ दें। अस्तित्व के संगीत को सुनने की कोशिश करें। याद रखें, जिसे प्रसन्न रहना है, उसे कोई रोक नहीं सकता और जिसे दुखी ही रहना है, उसे कोई प्रसन्न नहीं कर सकता। कुछ लोगों को प्रसन्न रहना ही नहीं है। वे परेशान और दुखी होने के बहाने खोजते रहते हैं। इस आदत को बदलने की कोशिश ईमानदारी के साथ की जानी चाहिए।

संकलित

दर्शन

घमंड न करें व दूसरों को कमजोर न समझें

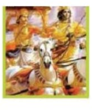

महाभारत युद्ध में अर्जुन और कर्ण आमने-सामने थे। दोनों दिव्य अस्त्र-शस्त्रों से लड़ रहे थे। जब-जब अर्जुन के तीर कर्ण के रथ पर लग रहे थे तो कर्ण का रथ बहुत पीछे खिसक रहा था। दूसरी ओर जब-जब कर्ण के तीर अर्जुन के रथ पर लगते तो उसका रथ थोडा सा ही पीछे खिसकता था। ये देखकर अर्जुन को घमंड हो गया कि उसके बाणों में ज्यादा शक्ति है। अर्जुन ने ये बात श्रीकृष्ण से कही तो भगवान ने कहा कि तुम्हारे बाणों से ज्यादा शक्ति कर्ण के बाणों में है। भगवान की बात सुनकर अर्जुन ने कहा कि ये कैसे संभव है, मेरा रथ तो थोड़ा सा ही पीछे खिसक रहा है। श्रीकृष्ण ने कहा कि तुम्हारे रथ पर मैं स्वयं बैठा हूं, ऊपर ध्वजा पर हनुमान जी विराजित हैं, तुम्हारे रथ के पहिए को शेषनाग ने थाम रखा है। इतना होने के बाद भी कर्ण के बाण ये रथ पीछे खिसक रहा है तो इसका मतलब यही है कि उसके बाणों में ज्यादा शक्ति है। यदि ये न होता तो पता नहीं तुम्हारे रथ की क्या स्थिति होती। ये बात सुनकर अर्जुन को अपनी गलती का अहसास हो गया और उसका घमंड टूट गया। इस कथा में श्रीकृष्ण ने अर्जुन को सीख दी है कि कभी अपनी शक्ति का घमंड न करें और शत्रु को कमजोर न समझें। यथा स्थिति का अच्छा से अवलोकन करे।

संकलित

प्रेरणा

सटाका

आज की पाती

सपनों को संकल्प में बदलने की सीख

विद्यार्थी किसी भी देश का भविष्य ही नहीं, उसकी संभावनाओं और प्रगति के सबसे मजबूत आधार भी होते हैं। उनके विचारों में नवीनता, आंखों में सपने और कुछ नया कर गुजरने का उत्साह समाज को आगे बढ़ाने की शक्ति देता है। इसी भावना के साथ भारत में प्रति वर्ष 15 अक्टूबर को विश्व छात्र दिवस मनाया जाता है। यह दिन भारत के पूर्व राष्ट्रपति, महान वैज्ञानिक और युवाओं के प्रेरणास्रोत डा. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती के कारण विशेष महत्व रखता है। हालांकि, यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि संयुक्त राष्ट्र ने इस दिन को आधिकारिक रूप से विश्व छात्र दिवस घोषित नहीं किया है। इसके बावजूद भारत में यह अवसर विद्यार्थियों को कलाम के विचारों से जोड़ने और शिक्षा के महत्व को रेखांकित करने का माध्यम बन गया है। -रमेश शर्मा, कलानौर

ट्रेंड

मां सबको साहस प्रदान करें

नवरात्रि का दूसरा दिन तप, त्याग व संकल्प की प्रतीक मां ब्रह्मचारिणी की आराधना को समर्पित है। वे सभी को साहस और संयम का आशीर्वाद प्रदान करें। मां की कृपा से जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और सफलता का मार्ग प्रशस्त हो। -नरेंद्र मोदी, पीएम

देश तक बात पहुंचाते रहेंगे

लोगों को दिल्ली आने से रोका जा रहा है तथा कुछ लोगों को बसों और ट्रेनों से उतारा जा रहा है। बड़ी संख्या में पुलिस और सुरक्षा बलों की तैनाती के बावजूद विपक्ष अपनी बात देश तक पहुंचाता रहेगा। हम हार मानने वाले नहीं हैं। -राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

अब मिलती है बिजली

'डबल इंजन' की सरकार ने मात्र 10 दिन में किसानों को फसल, मकान और पशुधन की क्षति का मुआवजा उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है। 2017 से पहले की सपा सरकार के समय बिजली नहीं आती थी, केवल बिल आता था। अब स्थिति बदल गई है और किसानों को बिजली का बिल नहीं आता, बल्कि बिजली मिलती है। -योगी आदित्यनाथ, सीएम, यूपी

मुकदमों की नौबत नहीं आएगी

मैं यह सुनिश्चित करने का वादा करता हूं कि हमारी सरकार ऐसा कुछ नहीं होने देगी जिससे सरकारी नियुक्तियों में अदालती मुकदमों की नौबत आए। पूर्ववर्ती टीएमसी सरकार के दौरान हुई भर्ती प्रक्रियाएं विवादों में घिरी रहीं और सुप्रीम कोर्ट ने स्कूल भर्ती के तहत की गई 26,000 नियुक्तियों को रद्द कर दिया। -शुभेंदु अधिकारी, सीएम, प बंगाल

करंट अफेयर

उ. कोरिया ने कई बैलिस्टिक मिसाइलें समुद्र की ओर दागीं

उत्तर कोरिया ने सोमवार को अपने पूर्वी समुद्री क्षेत्र की ओर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। दक्षिण कोरिया की सेना ने यह जानकारी दी। हाल के दिनों में हथियारों के प्रदर्शन की बढ़ती घटनाओं के बीच इस प्रक्षेपण से तनाव और बढ़ गया है। दोनों देशों के बीच कूटनीतिक बातचीत लंबे समय से ठप है। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने बताया कि ये मिसाइलें उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग के आसपास के क्षेत्र से दागी गईं। उत्तर कोरिया ने हाल के वर्षों में अपने हवाई अड्डे का इस्तेमाल मिसाइलों के प्रक्षेपण के एक प्रमुख केंद्र के रूप में किया है। ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने तत्काल यह स्पष्ट नहीं किया कि कितनी मिसाइलें दागी गईं या उन्होंने कितनी दूरी तय की। जापान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने कम से कम दो मिसाइलों का पता लगाया और आकलन किया कि ये मिसाइलें जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र के बाहर समुद्र में गिरीं। यह प्रक्षेपण दक्षिण कोरिया द्वारा शुक्रवार को अपने देश में विकसित पहली हाइपरसोनिक मिसाइल का उड़ान परीक्षण किए जाने के कुछ दिनों बाद हुआ। इस हथियार को ध्वनि की गति से कम से कम पांच गुना तेज उड़ान भरने और मिसाइल रक्षा प्रणालियों को चकमा देने के लिए तैयार किया गया है।

ऑफ बीट

लाल-पीले पंखों के रंग का रहस्य सुलझा रहे वैज्ञानिक

पूरे जंतु जगत में पक्षी सबसे रंगीन जीवों में से एक हैं। लेकिन इतने सारे रंगों वाले पक्षी अलग अलग कैसे होते हैं? चमकीले लाल, नारंगी और पीले पंख या चोंच वाले लगभग सभी पक्षी अपने रंग उत्पन्न करने के लिए कैरोटीनॉयड नामक पिगमेंट के समूह का उपयोग करते हैं। लेकिन, ये पक्षी सीधे तौर पर कैरोटीनॉयड नहीं बना सकते। उन्हें अपने आहार में पौधों से ये तत्व प्राप्त करने होते हैं। तोते इस नियम के अपवाद हैं, जिन्होंने रंगीन रंगद्रव्य बनाने का एक बिल्कुल नया तरीका विकसित किया है, जिसे 'सिटाकोफल्विन' कहते हैं। वैज्ञानिकों को इन विभिन्न रंगों के बारे में कुछ समय से जानकारी है, लेकिन पक्षियों द्वारा रंग में भिन्नता लाने के लिए इनका उपयोग करने के पीछे के जैव-रासायनिक और आनुवंशिकी आधार को लेकर उनकी समझ अभी सीमित है। हालांकि, तोते और 'फिंच' (रंग बिरंगी छोटी चिड़ियों की प्रजाति) के बारे में हाल ही में किए गए दो अलग-अलग अध्ययनों ने इस रहस्य पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की है। एक अध्ययन 'करंट बायोलॉजी' में प्रकाशित हुआ है जिसका नेतृत्व हममें से एक (डैनियल हूपर) ने किया था। दूसरे अध्ययन का नेतृत्व पुर्तगाली जीवविज्ञानी रॉबर्टो अबोरे ने किया और उसे 'साइंस' पत्रिका में प्रकाशित किया गया।

नाम परिवर्तन

मैं अनिल कुमार आ. मनीराम आयु लगभग 31 वर्ष, निवासी ग्राम थानापारा, दरिमा, थाना व तहसील-दरिमा, जिला-सरगुजा (छ.ग.) शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मेरे पुत्र का जन्म प्रमाण पत्र रेयांश कुमार (REYANSH KUMAR) उल्लेखित है, जबकि आधार कार्ड क्र.- 5458 3876 0784 में रियान्स (Riyaance) उल्लेखित है। मेरे पुत्र रेयांश कुमार जो जन्म प्रमाण पत्र में उल्लेखित है, लेकिन आधार कार्ड में रेयांश कुमार दर्ज करवाना चाहता हूँ, जिस संबंध में स्वयं का शपथ पत्र प्रस्तुत कर रहा हूं।

शपथकर्ता
अनिल कुमार

छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 13 अक्टूबर 2026
प्रारूप (एक)
समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं अभिलाष पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी अमृता खुंटे गाँव/शहर कुकुरभुका पत्थलगाँव तहसील-पत्थगाँव, जिला- जशपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम अभिलाष (पुराना नाम) से बदल कर अभिलाष खुंटे (नया नाम) रख लिया है।

नाबालिग पुत्री/पुत्र के नाम परिवर्तन के मामले में (अभिभावक / पालक द्वारा प्रमाणित)

मैं अमृता खुंटे (माता/पिता/पत्नि/पालक का नाम) सुपुत्र/सुपुत्री हरिलाल, गाँव/शहर कुकुरभुका, पत्थलगाँव तहसील-पत्थगाँव, जिला- जशपुर छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्र/सुपुत्री का नाम अभिलाष (पुराना नाम) से बदल कर अभिलाष खुंटे (नया नाम) रख लिया है।

छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 13 अक्टूबर 2026
प्रारूप (एक)
समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं अमरदीप पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र / सुपुत्री/पत्नी अमृता खुंटे गाँव/शहर कुकुरभुका पत्थलगाँव तहसील-पत्थगाँव, जिला जशपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम अमरदीप (पुराना नाम) से बदल कर अमरदीप खुंटे (नया नाम) रख लिया है।

नाबालिग पुत्री/पुत्र के नाम परिवर्तन के मामले में (अभिभावक / पालक द्वारा प्रमाणित)

मैं अमृता खुंटे (माता/पिता/पत्नि/पालक का नाम) सुपुत्र / सुपुत्री हरिलाल, गाँव / शहर कुकुरभुका, पत्थलगॉव तहसील-पत्थगाँव, जिला- जशपुर छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्र /सुपुत्री का नाम अमरदीप (पुराना नाम) से बदल कर अमरदीप खुटे (नया नाम) रख लिया है।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2, जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क० /अ-6/2025-26
ईस्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका राजमती पैकरा आ. लहरू पानी हिराचन्द पैकरा, जाति कंवर, निवासी ग्राम टईला, तहसील मैयाथान, जिला सूरजपुर छ०ग० द्वारा ग्राम रजपुरीखुर्द स्थित भूमि खसरा नंबर 651/35 रकबा 0.405 हे० भूमि जो अनावेदिका/हक त्यागकर्ता उर्मिला आ. लहरू पत्नी कया राम, जिला बाई आ. लहरू, पत्नी रामदेव, सरदार आ. धुन्धा कंवर, पुनिया माता एतवारी पत्नी गादुल पैकरा, हिरमनिया माता एतवारी, सभी जाति कंवर के हक और हिस्से की भूमि का पंजीकृत हक त्याग विलेक दिनांक 10.09.2026 को आवेदिका के पक्ष में हक त्यागनामा का निष्पादन किया गया है। आवेदिका द्वारा उपरोक्त हक त्याग के आधार पर अनावेदिका उर्मिला आ. लहरू पत्नी कया राम, जिला बाई आ. लहरू, पत्नी रामदेव, सरदार आ. धुन्धा कंदर, पुनिया माता एतवारी पत्नी मादुल पैकरा, हिरमनिया माता एतवारी, सनी जाति कंवर का नाम विलोपित कराने बावत् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।28/10/2026 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक / 13/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर-2

एसआईआर और सीईसी के इस्तीफे के लिए देशभर में प्रदर्शन

जंतर-मंतर में 'चुपके से' घुसे सौरभ पुलिस ने रांका को हिरासत में लिया

दीपके ने पोस्ट किया वीडियो जताई नाराजगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के सौरव दास और आशुतोष रांका को दिल्ली पुलिस ने फिर से हिरासत में ले लिया है। दोनों अजिंक्य शिंदे समेत कुछ साथियों के साथ जंतर-मंतर पहुंचे थे। यह घटनाक्रम दिल्ली पुलिस की सोमवार की उस घोषणा के बाद हुआ है जिसमें कहा गया था कि जंतर-मंतर अब विरोध प्रदर्शनों के लिए निर्धारित जगह नहीं रहेगा।

सीजेपी ने प्रदर्शन के लिए जंतर-मंतर को फिर से हासिल करने की कोशिश में वहां प्रवेश किया। वे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कथित 'वोट चोरी' के आरोपों को लेकर प्रदर्शन करना चाहते थे। अभिजीत दीपके ने कहा कि तिरंगा लेकर कार्यकर्ता मंगलवार सुबह जंतर-मंतर पहुंचे थे।

हिरासत पर भड़के दीपके

तिरंगा फहराना गुनाह है क्या? और उग्र होगा आंदोलन

दीपके ने साथियों को हिरासत में लिए जाने पर सरकार और दिल्ली पुलिस को घेरा है। मंगलवार को मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अगर कोई जंतर-मंतर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने को कानून का उल्लंघन मानता है, तो वह देशद्रोही है। तिरंगा फहराने पर लोगों को हिरासत में लेना समझ से परे है। इस कार्रवाई के विरोध में आंदोलन और तेज किया जाएगा। उन्होंने मांग की कि अगर तिरंगा फहराने के लिए उनके साथियों पर आरोप लगाए जाते हैं, तो इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

एनएसयूआई ने कनॉट प्लेस में प्रदर्शन किया

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की

कांग्रेस की छात्र इकाई भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) ने मंगलवार को राजीव चौक मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 7 पर अचानक विरोध प्रदर्शन किया और मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के तत्काल इस्तीफे की मांग की। पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया।

अनुराग ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस

वोट चोरी पर पुख्ता सबूत और आंकड़े दें राहुल

भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है।ठाकुर ने राहुल को चुनौती दी कि वे अपने लगाए गए आरोपों (जैसे 'वोट चोरी' और चुनाव आयोग पर सवाल) के समर्थन में देश के सामने पुख्ता सबूत और आंकड़े रखें। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल और विपक्षी दल बार-बार चुनाव आयोग, ईवीएम और मुख्य निर्वाचन आयुक्त पर बेबुनियाद सवाल उठाकर जनादेश और संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम कर रहे हैं। ठाकुर ने कांग्रेस पर 'राज नहीं तो अराजकता' (जब सत्ता न हो तो अस्थिरता फैलाना) की राजनीति करने का आरोप लगाया।उन्होंने हालिया विरोध प्रदर्शनों के दौरान पुलिसकर्मियों और महिलाओं के साथ हुए दुर्व्यवहार के वीडियो का हवाला देते हुए कांग्रेस नेताओं के आचरण पर सवाल उठाए। उन्होंने कांग्रेस के पुराने इतिहास का जिक्र करते हुए आपातकाल और लोकतांत्रिक अधिकारों के दमन की याद दिलाई और अमर्यादित भाषा का प्रयोग बंद करने की सलाह दी।

गर्भवती महिला पत्रकार का राहुल पर आरोप

मुझे धक्का दिया, वे तो 'स्मैश पैट्रिआर्की' का नारा लगाते थे

महिला पत्रकार ने कैमरे पर बताई आपबीती उसने कहा- मैं अपना काम कर रही थी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली में सोमवार को विपक्ष के विरोध प्रदर्शन को कवर कर रही एक महिला पत्रकार ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर उन्हें धक्का देने का आरोप लगाया है। इससे राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। रिचा पराशर ने आरोप लगाया कि राहुल ने उन्हें धक्का दिया। यह घटना सुप्रीम कोर्ट से बाहर निकलते समय हुई। रिचा ने अपनी आपबीती साझा करते हुए बताया कि उन्हें इस घटना के बाद अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। रिचा ने राहुल पर कटाक्ष करते हुए कहा कि 'स्मैश पैट्रिआर्की' का नारा लगाने वाले क्या ऐसे ही तोड़ेंगे।

राहुल के गार्डों ने भी धक्का दिया, कैमरामैन को कोहनी मारी

रिचा के अनुसार वे राहुल का बाइट लेने के लिए सुप्रीम कोर्ट के गेट पर खड़ी थीं। उन्होंने माइक बढ़ाया, पर लोगों के कहने पर हटाया। हालांकि, अन्य मीडियाकर्मी भी वहां मौजूद थे, इसलिए उन्होंने फिर माइक बढ़ाया। राहुल आगे बढ़े और उन्होंने रिचा के कंधे को पकड़कर खींचा। उनके गार्डों ने भी रिचा को धक्का दिया। वीडियो में राहुल ने उनके कैमरामैन को कोहनी मारी, जिससे वे गिर गए। धक्का लगने से रिचा सीढ़ियों से नीचे गिर गईं और उनके फोन की स्क्रीन टूट गई। उन्होंने बताया कि राहुल गांधी के समर्थकों ने 'राहुल गांधी जिंदाबाद' के नारे लगाए, जिससे उनकी आवाज दबाने की कोशिश की गई।

शाह के क्षेत्र में भाजपा का दबदबा कायम

44 में से 38 सीटें फतह कर ली आप का खाता तक नहीं खुला

एजेंसी ▶▶ अलवर

भाजपा ने गांधीनगर नगर निगम (जीएमसी) पर अपना दबदबा बनाए रखा है। निकाय चुनाव में भाजपा ने 44 में से 38 सीटें जीतीं। कांग्रेस ने अपनी सीटों की संख्या बढ़ाई और 2021 की 2सीटों के मुकाबले इस बार 5सीटें हासिल कीं। जबकि, आप इस बार अपना खाता भी नहीं खोल पाई। चुनाव में बची हुई एक सीट एक निर्दलीय उम्मीदवार ने जीती। मंगलवार को घोषित नतीजों में भाजपा को राज्य की राजधानी के निकाय में स्पष्ट बहुमत मिला।

इसके बाद ट्रेन को आगरा भेजने का प्रबंध किया गया।आप के लिए नतीजे निराशाजनक रहे। 2021 में एक सीट जीतने वाली पार्टी इस बार एक भी सीट नहीं जीत सकी। उसका वोट शेयर भी पिछले चुनाव के करीब 21.77 फीसदी से घटकर 4.38 फीसदी रह गया।

अमेठी में राजनीतिक सरगर्मी

विधायक राकेश,अभय सिंह विनोद आज बनेंगे भाजपाई

एजेंसी ▶▶ दार्जिलिंग

यहां के गौरीगंज के सपा विधायक राकेश प्रताप सिंह के भाजपा में शामिल होने से जिले के राजनीतिक समीकरण में खासा बदलाव आएगा। उनके साथ गोसाईगंज के विधायक अभय सिंह और कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी भी भाजपा में शामिल होंगे। सिंह सपा के टिकट पर लगातार 3 बार गौरीगंज से विधायक चुने गए हैं। विधायक के आवास मंगलम के बगल में तैयारियां की गई हैं। आगामी विधानसभा चुनाव से पहले इसे अमेठी की राजनीति में अहम माना जा रहा है। कार्यक्रम में राष्ट्रीय महामंत्री स्मृति ईरानी प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, राष्ट्रीय मंत्री भोला सिंह, पूजा पाल और प्रभारी मंत्री प्रतिभा शुक्ला समेत गौरीगंज के 500 से अधिक ग्राम प्रधान, पूर्व प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य और अन्य जनप्रतिनिधि शामिल होंगे।

पट अनावरण के साथ दुर्गा पूजा महोत्सव का शुभारंभ

बीजपुर (सोनभद्र) शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन रविवार की शायं शांति नगर स्थित दुर्गा पूजा पंडाल में मां दुर्गा के पट अनावरण और फीता काटकर दुर्गा पूजा महोत्सव का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बीजपुर के प्रभारी निरीक्षक अविनाश कुमार सिंह और विशिष्ट अतिथि बखरिहवां के युवा व्यवसायी एवं समाजसेवी अमरेश तिवारी ने सह अतिथियों श्याम नारायण सिंह एवं पत्रकार जयचंद के साथ संयुक्त रूप से फीता काटकर महोत्सव का उद्घाटन किया।

शपथ पत्र
आधार एवं वोटर कार्ड में नाम का सुधार हेतु

मैं चौठा पिता बरइया जाति उरांव, आयु 76 साल, निवासी ग्राम सोनबरसा पो० थाना एवं तहसील चान्दो, जिला बलरामपुर- रामानुजगंज, छ०ग०का निम्न कथन सशपथ घोषित करती / करता हूं की

1- मैं सशपथ घोषित करता / करती हूं कि मैं उक्त पते पर स्थाई रूप से निवास करता / करती हूं मेरा वास्तविक नाम चौठा राम एवं पिता का नाम बरईस है, जो मेरे जमीन संबंधी रिकार्ड बी-1 अंकित है।

2 मैं सशपथ घोषित करती/करता हूं कि मेरे नाम पर बने आधार कार्ड मे मेरा नाम चौथा क्रेकेटटा पिता परहिया क्रेकेटटा एवं वोटर कार्ड में चउटा मिंज पिता लोन्दो मिंज लिखा गया है जो त्रुटिपूर्ण है। जिसकी सुधार की आवश्यकता है।

3-मैं सशपथ घोषित करती हूं कि उपरोक्तानुसार मेरे जमीन संबंधी रिकार्ड बी-1 में अंकित मेरा व पिता के नाम अनुसार आधार कार्ड एवं वोटर कार्ड में अंकित त्रुटिपूर्ण नाम को सुधार करने हेतु यह शपथ पत्र निष्पादित कर रही/रहा हूं।

ह० शपथकर्ता -
चौठा

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०-/ब-121/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अनिता अग्रवाल पति पवन कुमार अग्रवाल निवासी रामानुजगंज रोड अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 1302/7 रकबा 0.020 हे0 भूमि एवं उस पर निर्मित मकान को अनावेदक सतीश कुमार गोयल आ.माखन लाल गोयल निर्वासि अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास अंकन राशि रुपए 50,00,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुंजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 26.10.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 05/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०-/ब-121/2026-27
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मंजू अग्रवाल पत्नी संतोष अग्रवाल निवासी अग्रसेन वार्ड कुंडला सिटी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 2793/123 रकबा 0.022 हे0 भूमि को अनावेदक दर्शन कुमार अग्रवाल आ.दीन दयाल अग्रवाल निवासी वार्ड नंबर 07 बगीचा बाजार रोड बगीचा तहसील बगीचा जिला जशपुर छ०ग० के पास अंकन राशि रुपए 19,00,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुंजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 16.11.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः 13/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी

तहसीलदार
अम्बिकापुर

भाजपा के लिए उद्योगपति कुबेर का खजाना, चुनाव आयोग पिंजरे का तोता, प्रजातंत्र कमाई का साधन, : सिद्धार्थ पांडे

चित्रकूट। जनपद के समाजवादी पार्टी के युवा नेता जिला पंचायत सदस्य विधायक पद के प्रबल दावेदार सिद्धार्थ पांडे ने बताया कि भाजपा सरकार ने देश का आर्थिक संतुलन बिगड़ कर रख दिया है।

छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 13 अक्टूबर 2026
प्रारूप (एक)
समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं हरिलाल (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र /सुपुत्री/पत्नी कुदरू राम, शहर / गाँव-कुकुरभुका, तहसील-पत्थलगांव जिला जशपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम हरिलाल (पुराना नाम) से बदल कर हरिलाल खूँटे (नया नाम) रख लिया है।

छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 13 अक्टूबर 2026
प्ररूप-(एक)
समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

पुष्पा लकडा सुपुत्री पति अनिल लकड़ा गाँव/शहर चिड़रापारा पत्थलगांव। तहसील पत्थलगांव जशपुर नाम पुष्पा लकडा (पुराना नाम बदल कर) रख लिया है। - पुष्पा एक्का (नया नाम, जिसे बदला जाना है। छत्तीसगढ़ ने अपना (पुराना नाम) से बदल कर. नया नाम पुष्पा एक्का रख लिया है।

नरवाई प्रबंधन के आधुनिक कृषि यंत्रों की खरीदी पर मिलेगा अनुदान

सिंगरौली। नरवाई जलाने से होने वाले वायु प्रदूषण, मिट्टी की उर्वरता में कमी और आगजनी की घटनाओं को रोकने के लिए शासन द्वारा आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसके तहत किसानों को हैप्पी सीडर, सुपर सीडर और स्मार्ट सीडर की खरीदी पर नियमानुसार अनुदान दिया जाएगा। इन यंत्रों से धान की कटाई के बाद खेत में बचे फसल अवशेषों का प्रबंधन कर रबी फसलों की समय पर बोनी की जा सकती है। सुपर सीडर से जुताई और बुवाई एक साथ की जा सकती है। यह नरवाई और फसल अवशेषों को मिट्टी में मिलाने में मदद करता है। इससे पारंपरिक विधि की तुलना में जुताई और बुवाई की लागत लगभग 40 प्रतिशत तक कम हो सकती है। इस यंत्र की खरीदी पर अधिकतम 1 लाख 20 हजार रुपये तक का अनुदान निर्धारित है। हैप्पी सीडर जीरो टिलेज तकनीक पर आधारित है।इससे खेत में मौजूद नरवाई को काटकर सतह पर बिछाते हुए बिना पारंपरिक जुताई के बीज बोए जा सकते हैं।

प्रारूप एक
(नियम 11 देखिये)
कार्यालय कलेक्टर एवं पदेन उप सचिव छत्तीसगढ शासन
राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग
अधिसूचना

प्रकरण क्रमांक 2202607260400010/अ-82/2025-26 दिनांक 29/09/2026

भूमि अर्जन, पुर्नवासन एवं पुनर्व्यस्थापन में उचित प्रतिकर तथा पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 4 सहपठित नियम 7 के अंतर्गत नीचे अनुसूची में उल्लेखित भूमि का अर्जन लोक प्रयोजन हेतु राज्य सरकार द्वारा आशयित है अर्थातः-

जिला	तहसील	ग्राम/नगर	क्षेत्रफल	लोक प्रयोजन का विवरण
सूरजपुर	भैयाथान	पासल	1.040	औद्योगिक प्रयोजन हेतु ग्राम पासल की निजी भूमि अर्जन

उपरोक्त उल्लेखित भूमि के अर्जन हेतु सामाजिक समाघात निर्धारण के अध्ययन हेतु जन सुनवाई दिनांक 29/10/2026 को समय 12.00 बजे स्थान ग्राम पासल के गणेश पंडाल मे नियत की गई है। प्रस्तावित भूमि अर्जन का अन्य विवरण निम्नानुसार है :-

(एक)	लोक प्रयोजन का संक्षिप्त विवरण	ग्राम पासल मे औद्योगिक प्रयोजन हेतु निजी भूमि अर्जन।
(दो)	प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवार की संख्या	01
(तीन)	अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित की संख्या	01
(चार)	प्रभावित क्षेत्र में निजी मकानो तथा अन्य परिसम्पतियों की अनुमानित संख्या	निरंक
(पॉच)	प्रभावित क्षेत्र में शासकीय मकानो तथा अन्य परिसम्पतियों की अनुमानित संख्या	निरंक
(छः)	क्या प्रस्तावित अर्जन न्यूनतम है ?	हॉ
(सात)	क्या संभव विकल्पों और इसकी साध्यता पर विचार कर लिया गया है?	हॉ
(आठ)	परियोजना की कुल लागत	3226000000.00
(नौ)	परियोजना से होने वाले लाभ	स्थानीय रोजगार, विद्युत उत्पादन से राज्य मे क्षमता मे बढोतरी, राज्य मे ग्रीन एनर्जी को बढावा, कंपनी सीएसआर मद से निकटवर्ती ग्रामों मे विकास के क्षेत्र मे बढोतरी, ग्राम मे सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी, डेम निर्माण होने से आस पास के ग्रामो मे जल का स्त्रोत बढना इत्यादि।
(दस)	प्रस्तावित सामाजिक समाघात की प्रतिपूर्ति के लिये उपाय तथा उस पर होने वाला संभावित व्यय	संस्थान द्वारा उपलब्ध कराया जायेगा
(ग्यारह)	परियोजना द्वारा प्रभावित होने वाले अन्य घटक	निरंक

उपरोक्त भूमि अर्जन के संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था या अन्य किसी व्यक्ति को कोई जानकारी / सुझाव देना हो तो विहित तिथि/समय एवं स्थान पर दी जा सकेगी।

अ०वि०अ० (रा०)
एवं भू-अर्जन अधिकारी
भैयाथान, जिला सूरजपुर

कलेक्टर
जिला सूरजपुर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2, जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क०/अ-24/2026-27
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक संजीत कुमार पिता जरहू राम, जाति कंवर, निवासी ग्राम कोचली, तहसील बलरामपुर, जिला बलरामपुर छ०ग०, के द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि आवेदक के नाम पर ग्राम हसुली में भूमि खसरा नंबर 281/3 रकबा 0.016 हे0 स्थित है, जो उसके निजी स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि है। आवेदक अपने निजी स्वामित्व की भूमि खसरा नंबर 281/3 रकबा 0.191 हे0 को छ०ग० शासन को त्यजन करना चाहता है। आवेदक द्वारा अपने आवेदन के साथ भूमि त्यजन का निर्धारित प्रारूप-क (नियम 1) की प्रति संलग्न किया गया है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 13/11/2026 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक/4/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर-2

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2, जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क०-/अ-6/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कृशांक दुवे आ० नागेन्द्र दुबे, उम्र लगभग 38 वर्ष, जाति ब्राम्हण, निवासी प्रतापपुर नाका अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० द्वारा ग्राम डिगमा स्थित भूमि खसरा नंबर 331/1 रकबा 1.358 हे० मेसे रकबा 0.402 हे० भूमि पर से पंजीबद्ध दानपत्र दिनांक 17.09.2026 के आधार पर दानकर्ता नागेन्द्र नाथ दुबे आ० तीर्थ गाथ दुबे, जाति ब्राहम्ण, निवासी प्रतापपुर नाका अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० का नाम विलोपित कराकर उपरोक्त दानपत्र के आधार पर अपना नाग दर्ज कराने बावत् आवेदन पत्र ७०ग० भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 110 के तहत प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 13/11/2025 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 14/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी

अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर-2

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका सर्वानन्द दुबे आ०/पति राम इकबाल दुबे जाति ब्राम्हण, निवासी रवि त्रिपाठी गली ब्रम्ह रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-सत्तीपारा नेहरू वार्ड, शीट नम्बर-2 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 671/16 रकबा 2128 एर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 21.10.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 07.10.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०-/ब-121/2026-27
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक परमा राम आ. स्व. रमेश्वर, निवासी ग्राम भिट्ठीकला, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ.ग. के द्वारा ग्राम भिट्ठीकला स्थित खसरा नंबर 1383 रकबा 0.760 हे. भूमि के राजस्व अभिलेखों में हुये त्रुटि को सुधार किये जाने हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय, अम्बिकापुर के समक्ष में प्रस्तुत किया गया है, जो जाँच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 06/11/2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः- 09/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी

तहसीलदार
अम्बिकापुर

कलेक्टर का स्वास्थ्य केंद्रों पर औचक निरीक्षण, अनुपस्थित डॉक्टर को नोटिस, लेटलतीफ कर्मचारी को फटकार, बोलीं- स्वास्थ्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कोरिया। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही पर कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव ने सख्त रुख अपनाया है। बुधवार को उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बुडार, सरभोका और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पटना का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित डॉक्टर को नोटिस और देर से पहुंची आरएचओ को फटकार लगाई गई। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील क्षेत्र में लापरवाही बरतने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी।

तीन स्वास्थ्य केंद्रों में क्या-क्या मिला?

पीएचसी बुडार - डॉक्टर नदारद: कलेक्टर ने यहां ओपीडी में आने वाले मरीजों और उपचार सुविधाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के समय डॉक्टर मौजूद नहीं थीं। इस पर कलेक्टर ने नाराजगी जताते हुए सीएमएचओ को तुरंत चिकित्सक पदस्थ करने के निर्देश दिए और अनुपस्थित डॉक्टर सृष्टि शिवहरे को नोटिस जारी करने को कहा। उन्होंने एएनसी रजिस्टर देखकर गर्भवती महिलाओं की जांच की स्थिति भी परखी।

पीएचसी सरभोका - कर्मचारी लेटः यहां आरएचओ श्रीमती लक्ष्मी कन्नौजे देर से ड्यूटी पहुंची थीं। कलेक्टर ने उन्हें कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवा जिम्मेदारी और सेवाभाव का काम है, समय पर आना अनिवार्य है। उन्होंने सीएमएचओ और बीएमओ को लापरवाह कर्मचारियों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

सीएचसी पटना - रात में भी डॉक्टर जरूरी:

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पटना में ओपीडी काउंटर पर भीड़ देख कलेक्टर ने नियमित उपस्थिति पर जोर दिया। शिकायत पेटी के पत्रों का भी अवलोकन किया। बीएमओ डॉ. श्रेष्ठ मिश्रा को निर्देश दिया कि रात के समय भी डॉक्टर और स्टाफ की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। साथ ही सभी वार्डों और शौचालयों की नियमित सफाई कराई जाए। परिसर के उद्यान में घासफूस मिलने पर बीएमओ पर नाराजगी जताई और साफ-सफाई दुरुस्त करने को कहा।

मितानिनों को दिया विशेष टास्क

पटना सीएचसी में मितानिनों की बैठक लेकर कलेक्टर ने संस्थागत प्रसव बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास करने को कहा। गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच, वजन और पोषण पर ध्यान देने और उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने के निर्देश दिए।

कलेक्टर के कड़े निर्देश

सभी स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यक रजिस्टर और पंजी व्यवस्थित रखें।मरीजों और परिजनों से आत्मीय और विनम्र व्यवहार करें, भरोसा बनाए रखें। सीएमएचओ डॉ. बलवंत सिंह और बीएमओ नियमित निगरानी और समीक्षा करें। समय पर जांच, उपचार और स्वच्छता में कोई कोताही बर्दाश्त नहीं होगी।

कार्टून लोकतंत्र का सशक्त दर्पण है, हजारों शब्दों की बात एक कार्टून कह देता है : मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि कार्टून केवल हंसी-मजाक का माध्यम नहीं है, बल्कि यह समाज को जागरूक करने, सोचने और आत्ममंथन के लिए प्रेरित करने वाली सशक्त कला है। गंभीर विषयों को सहजता से जनमानस तक पहुंचाने में कार्टून की अद्भुत क्षमता है। मुख्यमंत्री साय राजधानी रायपुर में कार्टून वॉच पत्रिका द्वारा आयोजित कार्टून फेस्टिवल-2026 को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने कार्टून वॉच पत्रिका के 30 वर्ष पूर्ण होने पर संपादक त्र्यंबक शर्मा और पूरी टीम को बधाई दी।

आर.के. लक्ष्मण को किया याद

मुख्यमंत्री ने महान कार्टूनिस्ट आर.के. लक्ष्मण का स्मरण करते हुए कहा कि उनका बनाया 'कॉमन मैन' केवल एक कार्टून नहीं, बल्कि देश के आम नागरिक की आशाओं और चिंताओं की पहचान बन गया। स्वतंत्रता के बाद बदलते भारत को उन्होंने जिस प्रभावशाली ढंग से दिखाया, वह भारतीय पत्रकारिता की अमूल्य विरासत है।

पीएम मोदी पर कॉफी टेबल बुक का विमोचन

कार्यक्रम में सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी के व्यक्तित्व और सेवा यात्रा पर आधारित कार्टून कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्टून के माध्यम से किसी व्यक्तित्व की यात्रा को दिखाना रोचक और विशिष्ट माध्यम है।

युवा कार्टूनिस्टों को दिया संदेश

मुख्यमंत्री ने युवाओं का आह्वान किया कि वे अपनी रचनात्मकता को नई उड़ान दें और डिजिटल माध्यमों का उपयोग कर राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि बस्तर सहित प्रदेश के दूरस्थ अंचलों की प्रतिभाओं को भी इस कला से जोड़ना सराहनीय प्रयास है।

अभिषेक तिवारी को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

फेस्टिवल में जयपुर के प्रख्यात कार्टूनिस्ट अभिषेक तिवारी को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी कलाकार की दीर्घकालीन साधना का सम्मान पूरी कला विधा का सम्मान है।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कवर्धा में मां महामाया और मां विंध्यवासिनी के दर्शन कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने आज नवरात्रि के अवसर पर कबीरधाम जिले के विभिन्न देवी मंदिरों में दर्शन एवं पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और कल्याण की कामना की। उन्होंने कवर्धा स्थित प्रसिद्ध मां महामाया मंदिर और मां विंध्यवासिनी मंदिर पहुंचकर माता रानी का आशीर्वाद लिया। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने सर्वप्रथम मां महामाया मंदिर पहुंचकर माता के दर्शन किए और विधिवत पूजा-अर्चना की।इसके पश्चात उन्होंने मां विंध्यवासिनी मंदिर में दर्शन कर प्रदेश एवं कबीरधाम जिले की सुख-शांति, समृद्धि और निरंतर प्रगति की

कामना की।

मां विंध्यवासिनी मंदिर में निमार्णाधीन ज्योति कलश भवन का किया निरीक्षण

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने मां विंध्यवासिनी मंदिर परिसर में निमार्णाधीन ज्योति कलश भवन का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने भवन निर्माण से जुड़ी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। ज्योति कलश भवन के निर्माण से मंदिर परिसर में धार्मिक आयोजनों और श्रद्धालुओं की सुविधाओं के विस्तार में सहायता मिलेगी।

छिरपानी कॉलोनी के मां दुर्गा पंडाल में किए दर्शन

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कवर्धा के छिरपानी कॉलोनी स्थित मां दुर्गा पंडाल पहुंचकर माता रानी के दर्शन किए और पूजा-अर्चना कर क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। उन्होंने श्रद्धालुओं से मुलाकात भी की।

डिजिटल माध्यमों से छत्तीसगढ़ की लोककलाओं को दुनिया तक पहुंचाएं- राज्यपाल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

खैरागढ़ संगीत विश्वविद्यालय के 70वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए राज्यपाल

रायपुर। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोककलाओं जैसे पंडवानी, पंथी, राउत नाचा, सुवा नृत्य, कर्मा और बस्तर की जनजातीय नृत्य परंपराओं का जिक्र करते हुए उन्होंने जोर दिया कि प्रदेश की इस सांस्कृतिक थाती को मोबाइल, इंटरनेट और डिजिटल मीडिया के माध्यम से देश-विदेश के कोने-कोने तक पहुंचाया जाना चाहिए। राजकुमारी इंदिरा सिंह कला संगीत विश्वविद्यालय का 70वां स्थापना दिवस समारोह राज्यपाल एवं कुलाधिपति रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर राज्यपाल ने विश्वविद्यालय की 70 वर्षों की गौरवशाली यात्रा को विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों के सामूहिक योगदान का परिणाम बताया। राज्यपाल डेका ने दानवीर राजा वीरेंद्र बहादुर सिंह और रानी पद्मावती द्वारा अपनी पुत्री राजकुमारी इंदिरा सिंह की स्मृति में विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए दिए गए ऐतिहासिक योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि संगीत मनुष्य को मानसिक शांति प्रदान करता है, जबकि नृत्य, चित्रकला और शिल्प समाज के इतिहास व संस्कृति को अभिव्यक्त करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि कला के क्षेत्र में सफलता पाने के लिए प्रतिभा के साथ-साथ धैर्य, निरंतर अभ्यास और समर्पण बहुत जरूरी है। साथ ही, उन्होंने कला को आजीविका और व्यवसाय से जोड़ने की संभावनाओं पर भी बल दिया।

सांसद संतोष पांडे ने राजपरिवार के योगदान को बताया अनुकरणीय

सांसद संतोष पांडे ने कहा कि राजा वीरेंद्र बहादुर सिंह और रानी पद्मावती द्वारा अपनी पुत्री की स्मृति में दिया गया दान अद्वितीय और अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि आज के समय में जमीन दान करना भी कठिन है, लेकिन राजपरिवार की दूरदर्शी सोच ने खैरागढ़ को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई है।

16 अक्टूबर को प्रयास आवासीय विद्यालय कक्षा 9वीं में प्रवेश के लिए काउंसलिंग

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कोरिया। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास ने जानकारी दी है कि मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजनांतर्गत प्रयास आवासीय विद्यालयों के कक्षा 9वीं (सत्र 2026-27) में प्रवेश हेतु परीक्षा परिणाम का अवलोकन विभागीय वेबसाईट पर 228 रिक्त सीट के आधार पर चतुर्थ ओपन काउंसलिंग के लिए 16 अक्टूबर को प्रातः 10.30 से शाम 05.00 बजे तक कार्यालय आयुक्त आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास इंद्रावती भवन नवा रायपुर अटल नगर ब्लाक 5 तृतीय तल हॉल नंबर 4 में छात्र-छात्राओं को निर्धारित काउंसलिंग तिथि एवं समय पर अनिवार्य दस्तावेज के साथ उपस्थित होकर भाग ले सकते है। इस संबंध में काउंसलिंग हेतु छात्र- छात्राओं को अपने साथ अनिवार्य दस्तावेज कक्षा 8वीं प्रधानपाठक/प्राचार्य के द्वारा, 10 रुपए का अल्पसंख्यक अंतर्गत होने संबंधी नोटरी, स्थायी जाति, विशेष पिछड़ी, पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी नक्सल पीड़ित प्रमाण पत्र, विशेष श्रेणी से चयनित विद्यार्थियों को काउंसलिंग की तिथि को दिव्यांगता, दिव्यांग माता-पिता के बच्चे होने, अनाथ बच्चे होने, विधवा माता के बच्चे होने, देश की रक्षा करते हुये या अपने कर्तव्य निर्वहन करते समय पुलिस/अर्द्धसैनिक/सशस्त्र बल/ शहीद सैनिक के बच्चे होने का प्रमाण पत्र, काउंसलिंग पश्चात संबंधित प्रयास आवासीय विद्यालय में प्रवेश की पात्रता होने पर 02 दिवस के भीतर अनिवार्यतः जिला शिक्षा अधिकारी से काउन्टर हस्ताक्षरित स्थानांतरण प्रमाण पत्र एवं जिला चिकित्सा अधिकारी द्वारा जारी सिकलसेल जांच प्रमाण पत्र के साथ 16 अक्टूबर तक काउंसलिंग में भाग ले सकते है।

जिला स्तरीय रोजगार मेला का सफल आयोजन

कोरिया। छत्तीसगढ़ शासन, कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग के मंशानुसार 13 अक्टूबर को जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र में जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला स्तरीय रोजगार मेला का सफल आयोजन किया गया। रोजगार मेले में कुल 151 पदों के लिए 962 अभ्यर्थियों द्वारा ऑनलाईन पंजीयन किया गया जिसमें लगभग 387 अभ्यर्थी साक्षात्कार हेतु उपस्थित हुए। विभिन्न निजी नियोजक संस्थाओं द्वारा भाग लेकर युवाओं को उनकी शैक्षणिक योग्यता एवं कौशल के अनुरूप रोजगार के अवसर प्रदान करने की पहल की गई है। रोजगार मेले में जिले के युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान अभ्यर्थियों को विभिन्न पदों पर भर्ती, आवश्यक योग्यता एवं रोजगार संबंधी प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई।

मंत्री राजवाड़े की पहल से भैयाथान में 5.50 किलोमीटर सड़क निर्माण को मिली स्वीकृति

सड़क बनने से क्षेत्र के ग्रामीणों को आवागमन में मिलेगी सुविधा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े की पहल और प्रयासों से सूरजपुर जिले के भैयाथान विकासखंड में सड़क निर्माण का महत्वपूर्ण कार्य स्वीकृत हुआ है। राज्य शासन ने तेलगांव मुख्य मार्ग से बरपारा होते हुए बुंदिया चौक तक 5.50 किलोमीटर लंबाई की सड़क के निर्माण के लिए 543.67 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। यह राशि लगभग 5 करोड़ 43 लाख 67 हजार रुपए है। यह कार्य वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में शामिल है। लोक निर्माण विभाग के आदेश के अनुसार निर्माण के लिए आवश्यक प्रशासनिक और वित्तीय सहमति के बाद स्वीकृति जारी की गई है। कार्य को तय प्रक्रिया के अनुसार आगे बढ़ाया जाएगा और इसकी निविदा प्रमुख अभियंता कार्यालय में गठित निविदा प्रकोष्ठ के माध्यम से कराई जाएगी। स्वीकृति आदेश में निर्माण की गुणवत्ता, पारदर्शी निविदा प्रक्रिया और निर्धारित समय-सीमा में काम पूरा करने पर जोर दिया गया है। स्वीकृत राशि की सीमा में ही व्यय सुनिश्चित करने तथा कार्य के प्राक्कलन और निष्पादन में मितव्ययिता बरतने के निर्देश भी दिए गए हैं। निर्माण कार्य में किसी स्तर पर गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई का प्रावधान रखा गया है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े के प्रयासों से स्वीकृत इस सड़क से तेलगांव मुख्य मार्ग, बरपारा और बुंदिया चौक के बीच संपर्क बेहतर होने की उम्मीद है। सड़क बनने से स्थानीय ग्रामीणों को दैनिक आवागमन में सहूलियत मिलेगी और क्षेत्र के लोगों की आवाजाही अधिक सुगम हो सकेगी।

पर्यटन मंत्री ने निवास कार्यालय में सुनी आम जनता की समस्याएं, अधिकारियों को दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने आज नवा रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय में जनदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया। उन्होंने विभिन्न जिलों और क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों से आत्मीय भेंट-मुलाकात कर उनकी समस्याओं, सुझावों और जनहित के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की।मंत्री ने सभी आवेदनों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

मंत्री बोले - जनसेवा ही सर्वोच्च प्राथमिकता

नागरिकों से चर्चा के दौरान मंत्री अग्रवाल ने कहा, ₹जनप्रतिनिधि का सबसे महत्वपूर्ण दायित्व जनता की समस्याओं को समझना और संवेदनशीलता के साथ उनका समाधान करना है। जनता से सीधा संवाद ही जनहितकारी कार्यों को बेहतर बनाने का सशक्त माध्यम है।₹ उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार जनकल्याण, सुशासन और पारदर्शी प्रशासन की भावना से काम कर रही है। सरकार का लक्ष्य है कि आम नागरिक को अपनी समस्या के समाधान के लिए भटकना न पड़े।

संवेदनशीलता और तत्परता पर जोर

मंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि नागरिकों द्वारा प्रस्तुत समस्याओं पर गंभीरतापूर्वक ध्यान दिया जाए और नियमानुसार समयबद्ध निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा, जनसमस्याओं का समाधान केवल प्रशासनिक दायित्व नहीं, बल्कि जनसेवा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता है।

जनता का विश्वास ही विकास की शक्ति

पर्यटन मंत्री ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता का विश्वास और सहभागिता ही विकास की सबसे बड़ी शक्ति है। नागरिकों से मिलने वाले सुझाव शासन को अधिक जनोन्मुखी बनाते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य आम लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है और इसके लिए जनप्रतिनिधियों का जनता के बीच रहना जरूरी है। अंत में मंत्री अग्रवाल ने कहा कि जनता से मिलने वाला स्नेह और विश्वास उन्हें और अधिक समर्पण के साथ जनसेवा करने की प्रेरणा देता है। आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए उनके प्रयास निरंतर जारी रहेंगे।

आभाव का नहीं है प्रभाव, मां गढ़वतिया देवी धाम में उमड़ रहा श्रद्धालुओं का सैलाब

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिहारपुर। सूरजपुर जिले के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र स्थित मां गढ़वतिया देवी धाम में शारदीय नवरात्र के अवसर पर श्रद्धा और भक्ति का माहौल है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं द्वारा 131 मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित किए गए हैं। मां के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों से श्रद्धालु धाम पहुंच रहे हैं।

मनोकामना ज्योति कलश से जगमगा रहा मंदिर परिसर

भक्तों की अटूट आस्था के बीच यह धार्मिक स्थल सड़क, पानी और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं की कमी से जूझ रहा है। शारदीय नवरात्र के पावन पर्व पर मां के दरबार में भक्तों के पहुंचने का सिलसिला जारी है। श्रद्धालु अपनी मनोकामनाएं लेकर मां के दर्शन कर रहे हैं और ज्योति कलश के माध्यम से अपनी श्रद्धा प्रकट कर रहे हैं। क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं का अभाव होने के बावजूद श्रद्धालुओं के उत्साह में कमी नहीं आई है। मां गढ़वतिया देवी धाम में श्रद्धालुओं की आस्था तो वर्षों से बनी हुई है, लेकिन धाम तक पहुंचने के लिए बेहतर सड़क, पेयजल और बिजली जैसी आवश्यक सुविधाओं की जरूरत महसूस की जा रही है। धार्मिक स्थल पर दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को इन सुविधाओं के अभाव में परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसके बावजूद मां के भक्त कठिनाइयों के बीच भी दर्शन करने पहुंच रहे हैं। स्थानीय क्षेत्र में धार्मिक आस्था के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में पहचान रखने वाले मां गढ़वतिया देवी धाम के विकास की आवश्यकता महसूस की जा रही है। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सड़क, पानी और बिजली की समुचित व्यवस्था किए जाने की जरूरत है। इससे नवरात्र सहित अन्य धार्मिक अवसरों पर यहां पहुंचने वाले भक्तों को राहत मिल सकेगी।

अब सवाल यह है कि श्रद्धालुओं की अटूट आस्था के इस केंद्र पर मूलभूत सुविधाओं का विस्तार कब होगा। मां के दरबार में 131 मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित होने के साथ ही भक्तों की आस्था का दीप जगमगा रहा है और प्रतिदिन बड़ी संख्या में माता भक्त दर्शन एवं पूजा अर्चना के लिए पहुंच रहे है।

विद्यार्थियों को दी गई बाल संरक्षण एवं कानूनी अधिकारों की जानकारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी शुभम बंसल के मार्गदर्शन में

शासकीय एवं निजी विद्यालयों में बाल सुरक्षा को लेकर लगातार जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल के नेतृत्व में विश्रामपुर के निजी स्कूल में मिडिल कक्षाओं के बच्चों को बाल संरक्षण के विभिन्न विषयों पर जागरूक किया गया। जिसमें बच्चों को लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम पॉक्सो एक्ट के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। बच्चों को सेफ टच और अनसेफ टच का अर्थ समझाया और हमेशा सुरक्षित दूरी बनाए रखने की सलाह दी। जिला बाल संरक्षण अधिकारी ने विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि यदि कहीं भी किसी का स्पर्श असहज लगे तो इसकी जानकारी तुरंत अपने अभिभावकों को दें या टोल फ्री नंबर 1098,181,112 पर भी साझा कर सकते हैं।

इस दौरान बाल विवाह के संबंध में जागरूक किया गया और कहीं भी बाल विवाह की जानकारी मिलने पर तत्काल सूचना देने की बात कही। साइबर अपराधों के प्रति विस्तार से बताते हुए विद्यार्थियों को जागरूक किया गया। यातायात जागरूकता की भी जानकारी दी गई। किशोर न्याय अधिनियम की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को बताया गया कि अधिनियम की धारा 77 एवं 78 में बच्चों को नशीले पदार्थ उपलब्ध कराने तथा नशीले पदार्थों के परिवहन एवं विक्रय में उनका उपयोग करने पर दंडात्मक प्रावधान हैं। विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए इससे दूर रहने तथा शिक्षा एवं उज्ज्वल भविष्य पर ध्यान केंद्रित करने की समझाइश दी।

कार्यक्रम में फरजाना अंसारी ने सखी केंद्र में मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी दी और बालिकाओं को विशेष रूप से स्वच्छता का ध्यान रखने की बात कही। कार्यक्रम में चाइल्डलाइन से दिनेश यादव सहित संस्था के प्राचार्य एवं शिक्षकगण उपस्थित थे।

कल रगदा में होगा श्रीरामचरित मानस गायन वादन प्रतियोगिता

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शारदीय नवरात्र के अवसर पर सार्वजनिक माँ दुर्गा युवा बाल समिति रगदा के द्वारा शुक्रवार,16 अक्टूबर को श्रीरामचरित मानस गायन-वादन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रतियोगिता में विभिन्न मानस मंडलियां अपनी गायन-वादन कला के माध्यम से प्रभु श्रीराम के आदर्शों एवं रामचरित मानस की महिमा का गुणगान करेंगी। समिति के अनुसार, प्रतियोगिता में अनुशासन, पूजा-पद्धति, वेशभूषा, साज-सज्जा, गायन-वादन, आदर्शवाणी, भावार्थ, प्रासंगिक प्रश्न, मानस प्रश्न एवं देवी भजन सहित विभिन्न

मापदंडों के आधार पर मंडलियों का मूल्यांकन किया जाएगा। प्रत्येक मंडली को प्रस्तुति के लिए 30 मिनट का समय निर्धारित किया गया है। प्रतियोगिता में भारतीय परिधान की एकरूपता एवं अनुशासन का विशेष ध्यान रखा जाएगा तथा निर्णायक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली मानस मंडली को 51 सौ, द्वितीय को 41 सौ, तृतीय को 31सौ, चतुर्थ को 21 सौ तथा पंचम स्थान प्राप्त करने वाली मंडली को 11सौ रुपये की नकद पुरस्कार प्रदान की जाएगी। सार्वजनिक माँ दुर्गा युवा बाल समिति रगदा ने क्षेत्र की सभी मानस मंडलियों, श्रद्धालुओं एवं धर्मप्रेमी नागरिकों से प्रतियोगिता में शामिल का आग्रह किया है।

आपदा से निपटने अग्निशमन एवं बचाव दल ने विद्यार्थी को दिया व्यावहारिक प्रशिक्षण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देशानुसार एवं जिला अग्निशमन अधिकारी के मार्गदर्शन में डीडीआरएफ की संयुक्त टीम द्वारा जिले के देवनगर हायर सेकेंडरी स्कूल में आपदा प्रबंधन, आपातकालीन सुरक्षा एवं बचाव कार्यों का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। इस दौरान विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं छात्र-छात्राओं को विभिन्न आपदाओं से बचाव तथा आपातकालीन परिस्थितियों में सुरक्षित रहने के महत्वपूर्ण उपायों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान संयुक्त टीम के प्रशिक्षित कर्मचारियों ने भूकंप, आगजनी, भूस्खलन, अत्यधिक वर्षा, बाढ़ एवं अन्य आपात कालीन परिस्थितियों में अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही

व्यावहारिक प्रदर्शन के माध्यम से आपदा के समय सतर्कता बरतने, सुरक्षित स्थान पर पहुंचने, घबराने के बजाय संयम बनाए रखने तथा जरूरत पड़ने पर संबंधित आपातकालीन सेवाओं को तत्काल सूचना देने के महत्व को समझाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को प्राकृतिक और मानवजनित आपदाओं के प्रति जागरूक करना तथा आपातकालीन परिस्थितियों में स्वयं की सुरक्षा करने और दूसरों की सहायता करने के लिए तैयार करना था। टीम ने बताया कि समय रहते सही निर्णय लेना, सुरक्षा संबंधी नियमों का पालन करना और बचाव कार्यों में सावधानी बरतना किसी भी आपदा के दौरान बेहद महत्वपूर्ण होता है।

अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं तथा डीडीआरएफ की संयुक्त टीम ने आम नागरिकों से अपील की कि वे अग्नि सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन संबंधी नियमों का पालन करें।

मतदाता सूची में नाम जोड़ने स्कूलों एवं पंचायतों में की जा रही पात्रो की पहचान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में मतदाता सूची को अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाने तथा सभी पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने के लिए कार्य किया जा रहा हैं। इसी क्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देशन तथा उप जिला निर्वाचन अधिकारी के मार्गदर्शन में स्कूलों एवं ग्राम पंचायतों में संपर्क कर मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित पात्र नागरिकों की पहचान की जा रही है। साथ ही उन्हें मतदाता पंजीयन की प्रक्रिया से अवगत कराते हुए नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

किया जा रहा विशेष शिविरों का आयोजन

अभियान के अंतर्गत विशेष रूप से 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके ऐसे युवाओं, जिनका नाम अब तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं हो पाया है, 1 जनवरी 2027 को 18 वर्ष पूर्ण करने वाले भावी मतदाताओं के पंजीयन पर ध्यान दिया जा रहा है। स्कूलों एवं ग्राम पंचायतों के माध्यम से पात्र नागरिकों तक पहुंचकर उन्हें मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए आवश्यक प्रपत्र, दस्तावेज एवं आवेदन प्रक्रिया की जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। इसके साथ ही बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा अपने अपने क्षेत्रों में नागरिकों से संपर्क कर मतदाता सूची के अद्यतनीकरण एवं पंजीयन संबंधी कार्यों में सहयोग प्रदान किया जा रहा है। जिले के विभिन्न मतदान केंद्रों में विशेष मतदाता पंजीयन शिविरो के माध्यम से नए एवं छूटे हुए पात्र मतदाताओं को पंजीयन प्रक्रिया की जानकारी देने के साथ आवश्यक आवेदन प्रस्तुत करने की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पात्र नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए ईसीआईनेट मोबाइल ऐप अथवा भारत निर्वाचन आयोग के आधिकारिक मतदाता सेवा पोर्टल https://voters.eci.gov.in के माध्यम से फॉर्म-6 भरकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त संबंधित बूथ लेवल अधिकारी से संपर्क कर भी पंजीयन प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की जा सकती है। जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती रेना जमील ने जिले के सभी पात्र नागरिकों, विशेषकर नए युवा मतदाताओं से मतदाता सूची में अपना नाम जांचने तथा नाम दर्ज नहीं होने की स्थिति में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदन करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में प्रत्येक पात्र नागरिक की सहभागिता महत्वपूर्ण है। इसके लिए सभी पात्र नागरिक मतदाता सूची में अवश्य रुप से पंजीयन करवाए।

शिक्षिका और उनके पुत्र की मौत के मामले में शहर एवं ब्लॉक कांग्रेस ने की उच्चस्तरीय जांच की मांग

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शिक्षिका रजनी बेरठ एवं उनके पुत्र सुजल बेरठ की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मृत्यु का मामला गंभीर चिंता का विषय बन गया है। इस

पुलिस अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

मामले में निष्पक्ष,पारदर्शी एवं उच्चस्तरीय जांच की मांग को लेकर बुधवार को शहर कांग्रेस अध्यक्ष मनोज डालमिया एवं ब्लॉक कांग्रेस ग्रामीण अध्यक्ष जफर हैदर के संयुक्त नेतृत्व में पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन के माध्यम से मामले की गंभीरता से जांच कर वास्तविक तथ्यों को सामने लाने तथा यदि किसी की संलिप्तता प्रमाणित होती है तो उसके विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्यवाही करने की मांग की गई है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि शिक्षिका रजनी बेरठ एवं उनके पुत्र सुजल बेरठ की मृत्यु की घटना अत्यंत दुखद एवं चिंताजनक है इस घटना को लेकर क्षेत्र में शोक

और चिंता का वातावरण है ऐसे में मामले की परिस्थितियों की निष्पक्ष पड़ताल कर सच्चाई सामने लाना आवश्यक है ताकि घटना से जुड़े प्रत्येक पहलू की स्पष्ट जानकारी सामने आ सके और किसी भी निर्दोष व्यक्ति के साथ अन्याय न हो। शहर एवं ब्लॉक कांग्रेस ने पुलिस प्रशासन से आग्रह किया है कि मामले को सामान्य प्रकरण मानकर नजर अंदाज न किया जाए बल्कि उपलब्ध तथ्यों, परिस्थितियों और साक्ष्यों के आधार पर गंभीरता से जांच की जाए। ज्ञापन में पुलिस अधीक्षक के समक्ष पांच प्रमुख मांगें रखी गई हैं इनमें प्रकरण की निष्पक्ष, पारदर्शी एवं उच्चस्तरीय जांच कराना, घटनास्थल और उपलब्ध साक्ष्यों की बारीकी से पड़ताल करना, संबंधित व्यक्तियों के बयान दर्ज कर आवश्यक तथ्यों का सत्यापन करना तथा जांच में किसी व्यक्ति की संलिप्तता प्रमाणित होने पर उसके विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्यवाही करना शामिल है। इसके अतिरिक्त पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने और पूरी जांच प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग भी की गई है। ज्ञापन में इस बात पर जोर दिया गया है कि जांच के दौरान किसी भी पहलू को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए तथा प्रत्येक तथ्य की निष्पक्षता से पड़ताल होनी चाहिए। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कुसुमलता राजवाड़े, युवा कांग्रेस जिलाउपाध्यक्ष अविनाश यादव,एनएसयूआई जिलाध्यक्ष आकाश साहू, संगठन महामंत्री भावना सिंह नेताम, राजेश साहू, मुस्तफा खान, सावित्री शर्मा, इमरान अंसारी एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सिलाई-कढ़ाई के हुनर से आत्मनिर्भर बनीं मंती आयम, हर महीने कमा रहीं 5-6 हजार रुपये की अतिरिक्त आय

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासन की योजनाएं ग्रामीण अंचलों में बदलाव की नई कहानियां लिख रही हैं। ऐसी ही एक प्रेरक कहानी है रामचन्द्रपुर विकासखंड की ग्राम पंचायत कुशफर की निवासी श्रीमती मंती आयम की, जिन्होंने सीमित शिक्षा के बावजूद अपने हुनर के बल पर आत्मनिर्भरता की राह चुनी और आज परिवार की आर्थिक मजबूती में अहम भूमिका निभा रही हैं।

आठवीं कक्षा तक पढ़ी श्रीमती आयम के सामने आगे बढ़ने के अवसर सीमित थे। घर-परिवार की जिम्मेदारियों के बीच वे आय का कोई स्थायी साधन तलाश रही थीं। इसी दौरान उन्हें संसदीय संकुल विकास परियोजना की जानकारी मिली। परियोजना के माध्यम से उन्होंने सिलाई और कढ़ाई का विधिवत प्रशिक्षण लिया, जिससे उनमें कौशल के साथ आत्मविश्वास भी आया।

प्रशिक्षण पूरा करने के बाद उन्होंने गांव में ही सिलाई का कार्य शुरू किया। अपनी लगन और काम की गुणवत्ता से उन्होंने जल्द ही गांव और आसपास के क्षेत्र में पहचान बना ली। आज वे सिलाई व्यवसाय से हर महीने 5 से 6 हजार रुपये की अतिरिक्त आमदनी अर्जित कर रही हैं। इस आय से घरेलू जरूरतें पूरी करने के साथ बच्चों की पढ़ाई और परिवार की अन्य आवश्यकताओं में भी उन्हें बड़ा सहारा मिल रहा है।

श्रीमती आयम की यह सफलता दर्शाती है कि सही मार्गदर्शन और कौशल प्रशिक्षण मिले तो ग्रामीण महिलाएं भी आर्थिक रूप से सशक्त बन सकती हैं। उनकी कहानी गांव की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन गई है, जो अब स्वरोजगार की दिशा में कदम बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित हो रही हैं। सेवा संकल्प अभियान का यही उद्देश्य है कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और हर हाथ को सम्मानजनक रोजगार मिले।

बलरामपुर-रामानुजगंज में मतदाता पंजीकरण का विशेष अभियान, 772 मतदान केंद्रों पर लग रहे शिविर

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में छूटे हुए मतदाताओं के सत्यापन तथा पहली बार मतदान करने वाले युवाओं के नामांकन के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के मार्गदर्शन में संचालित इस अभियान का उद्देश्य है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे और किसी भी अपात्र व्यक्ति का नाम सूची में शामिल न हो। इसके तहत जिले के सभी 772 मतदान केंद्रों पर विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

अभियान के दौरान बूथ लेवल अधिकारी वर्तमान मतदाता सूची का मिलान प्री-एसआईआर मतदाता सूची से कर रहे हैं। जिन मतदाताओं के नाम पूर्व सूची में थे, किंतु विभिन्न कारणों से वर्तमान सूची में शामिल नहीं हैं, उनकी पहचान कर अलग सूची तैयार की जा रही है। बीएलओ ऐसे चिह्नित मतदाताओं के घर-घर जाकर उनकी वर्तमान स्थिति का सत्यापन करेंगे और पात्र पाए जाने पर फॉर्म-6 के माध्यम से नामांकन कराएंगे। घर-घर सर्वे के दौरान छूटे हुए एवं युवा मतदाताओं के फॉर्म भी भरवाए जा रहे हैं। तैयार सूची मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों के साथ साझा की जाएगी और अभियान के अंत में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी इसे दलों के प्रतिनिधियों को भी उपलब्ध कराएंगे, जिससे किसी छूटे हुए मतदाता का नाम जुड़वाने का एक और अवसर मिल सके।

मजदूर बस्तियों में रहने वाले लोगों के साथ, बेघर एवं वंचित व्यक्तियों के नामांकन के लिए भी विशेष शिविर लगाए जाएंगे। वहीं कक्षा 9वीं से 12वीं तक के शैक्षणिक संस्थानों में इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब के माध्यम से शिविर आयोजित कर भावी मतदाताओं को पंजीकरण के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, संशोधन कराने अथवा निर्वाचन संबंधी किसी शिकायत के समाधान के लिए नागरिक जिले के 772 बूथ लेवल अधिकारियों, 12 सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों तथा 02 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं।

न्यायालय नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ.ग.

रा०प्र०क०/20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती सरोज अग्रवाल आ०/पति सुरेश अग्रवाल जाति निवासी अग्रसेन वार्ड, अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला बरेजपारा, शीट नम्बर- नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2602/997 रकबा 2505 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.03.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 21.10.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।आज दिनांक 06.10.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

कलयुगी मां ने 1.80 लाख में बेचा दुधमुंहा, कुनकुरी पुलिस ने पश्चिम बंगाल से बरामद किया 9 माह का बच्चा, मां समेत 5 गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कुनकुरी। जशपुर जिले के कुनकुरी थाना क्षेत्र से मानवता को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। आरोप है कि एक कलयुगी मां ने रुपयों के लालच में अपने ही 3 माह के दुधमुंहे बच्चे को 1 लाख 80 हजार रुपये में बेच दिया। कुनकुरी पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पश्चिम बंगाल से बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया है और मां सहित 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना कुनकुरी में अपराध क्रमांक 149/2026, धारा 81 किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम एवं धारा 143(4), 61(2) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है।

दादी की रिपोर्ट से खुला मामला

12 अगस्त को प्रार्थिया लक्ष्मी बाई, निवासी ब्लॉक कॉलोनी कुनकुरी ने थाना कुनकुरी में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। प्रार्थिया ने बताया कि उसके पुत्र शंकर चौहान को उसके पिता की मृत्यु के बाद अनुकंपा नियुक्ति मिली थी। शंकर चौहान, यशोदा यादव के साथ रहता था। यशोदा यादव ने 18 दिसंबर 2025 को एक बच्चे को जन्म दिया था, जिसे मार्च 2026 में कथित रूप से बेच दिया गया। रिपोर्ट पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की।

पुलिस जांच में खुला 1.80 लाख के सौदे का राज

विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपी सुकरू आलम उर्फ बंगाली, उम्र 43 वर्ष, निवासी लालपुर भीमचक, थाना भगवानपुर, जिला मदनापुर (पश्चिम बंगाल) को पकड़ा। पूछताछ में उसने बताया कि वह बाल खरीदने-बेचने का काम करता था। इसी दौरान

कुनकुरी में उसकी पहचान यशोदा यादव से हुई। आरोपी ने बताया कि उसने बच्चे को पश्चिम बंगाल निवासी शेख अलविन के पास पहुंचाया था। इस सूचना पर डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर डॉ. लाल उमेद सिंह ने विशेष पुलिस टीम गठित कर पश्चिम बंगाल भेजी। वहां शेख अलविन, उम्र 52 वर्ष, ने पूछताछ में स्वीकार किया कि मार्च 2026 में उसने यशोदा यादव के बच्चे को 1 लाख 80 हजार रुपये में खरीदकर अपनी बेटी को दे दिया था।

पश्चिम बंगाल से बरामद हुआ बच्चा

पुलिस ने कार्यवाही करते हुए बच्चे को बरामद कर बरामदगी पंचनामा तैयार किया और उसे सुरक्षित संरक्षण में लिया। बरामद बच्चे की वर्तमान उम्र लगभग 9 से 10 माह है। बच्चा पूरी तरह स्वस्थ है।

मां समेत 5 आरोपी गिरफ्तार

प्रकरण में पुलिस ने सुकरू आलम उर्फ बंगाली उम्र 43 वर्ष, निवासी लालपुर भीमचक, थाना भगवानपुर, जिला मदनापुर (पश्चिम बंगाल), शेख अलविन उम्र 52 वर्ष, निवासी लालपुर भीमचक, थाना भगवानपुर, जिला मदनापुर (पश्चिम बंगाल), यशोदा यादव उम्र 29 वर्ष, निवासी बेंदरभदरा थाना कुनकुरी (बच्चे की मां), निर्मला तिर्की उम्र 45 वर्ष, निवासी जोकारी थाना कुनकुरी, वर्तमान सुखबासु पारा, राजू नगर कुनकुरी, फूलकुंवारी यादव उम्र 50 वर्ष, निवासी बेंदरभदरा थाना कुनकुरी इन 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा है। पुलिस ने बताया कि इस गिरोह में महिलाओं की भूमिका बच्चे को बेचने के लिए मां को उकसाने और सौदा कराने की थी। मामले में अग्रिम विवेचना जारी है और पैसे के लेन-देन की जांच की जा रही है।

इस पूरी कार्यवाही में थाना प्रभारी कुनकुरी निरीक्षक भूपेन्द्र सिंह चंद्रा, सहायक उप निरीक्षक नीता कुर्रे, प्रधान आरक्षक अलिका पैंकरा, ढलेश्वर यादव व आरक्षक आलोक तिर्की की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जशपुरनगर को सीएम की बड़ी सौगात, 11.83 करोड़ से बनेगा हाईटेक बस स्टैंड

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने गृह जिले जशपुर को एक और बड़ी सौगात दी है। जशपुरनगर में यात्रियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए 11 करोड़ 83 लाख 62 हजार रुपये की लागत से हाईटेक बस स्टैंड बनाने की स्वीकृति दे दी गई है। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू हो गई है और जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होगा। लगभग तीन एकड़ में बनने वाला यह बस स्टैंड सिर्फ एक बस स्टॉप नहीं, बल्कि एक आधुनिक बस टर्मिनल के रूप में विकसित किया जाएगा, जो यात्री सुविधाओं के साथ-साथ शहर की परिवहन अधोसंरचना को नई मजबूती देगा।

वार्ड-8 के पुराने मवेशी बाजार में बनेगा टर्मिनल

जिला प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार यह हाईटेक बस स्टैंड वार्ड क्रमांक 8 स्थित पुराने मवेशी बाजार की जमीन पर प्रस्तावित है। यहां एक साथ 35 से 40 बसों के खड़े होने के लिए व्यवस्थित बे बनाए जाएंगे, जिससे बसों के बेतरतीब ठहराव से लगने वाले जाम से निजात मिलेगी। जशपुर बस स्टैंड जिले का सबसे बड़ा परिवहन केंद्र है। यहां से प्रतिदिन 100 से अधिक बसों का संचालन होता है। ये बसें रायपुर, बिलासपुर, अंबिकापुर के साथ-साथ पड़ोसी राज्यों झारखंड के रांची, गुमला, ओडिशा के सुंदरगढ़, बिहार और पश्चिम बंगाल तक जाती हैं। रोजाना 5 हजार से अधिक यात्री यहां से सफर करते हैं। वर्तमान बस स्टैंड में सुविधाओं के अभाव में यात्रियों को काफी परेशानी होती थी।

हवाई अड्डे जैसी मिलेंगी सुविधाएं

नए बस स्टैंड को यात्री सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए डिजाइन किया गया है। यात्री प्रतीक्षालय और वेटिंग हॉल, धूप और बारिश से बचाव के लिए बड़ा कवर्ड हॉल, डिजिटल डिस्प्ले सिस्टम से बसों के आने-जाने के समय की रियल टाइम जानकारी के लिए डिजिटल सूचना स्क्रीन, टिकट काउंटर और पूछताछ केंद्र, 40 दुकानें जिससे रोजगार के अवसर भी बनेंगे, लिफ्ट और दिव्यांग फ्रेंडली शौचालय, पेयजल और सुरक्षा व्यवस्थाइन सुविधाओं से खासकर दूरस्थ ग्रामीण अंचलों बगीचा, कांसाबेल, मनोरा से जिला मुख्यालय आने वाले मरीजों, छात्रों और आम नागरिकों को सीधा लाभ मिलेगा।

परिवहन नेटवर्क को मिलेगी नई दिशा

जशपुरनगर जिला मुख्यालय होने से यहां शिक्षा, स्वास्थ्य और शासकीय कार्यों के लिए बड़ी संख्या में लोग आते हैं। हाईटेक बस स्टैंड बनने से न केवल यात्री सुविधाएं बढ़ेंगी, बल्कि शहर के अंदर यातायात व्यवस्था भी सुगम होगी।

जिले में चार और नए बस स्टैंड

मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिले में सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने के लिए अन्य जगहों पर भी काम चल रहा है। कुनकुरी और पत्थलगांव में भी अत्याधुनिक बस स्टैंड की स्वीकृति मिल चुकी है। वहीं बंदरचुआ और दुलदुला में एक-एक करोड़ रुपये की लागत से दो नए बस स्टैंड का निर्माण कार्य तेजी से जारी है।

जशपुर को बड़ी सौगात

कुनकुरी और बालाछापर में बनेंगी दो आधुनिक कॉलोनियां, 225 मकानों का निर्माण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के गृह जिले में लोगों को किफायती और आधुनिक आवास उपलब्ध कराने के लिए छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल ने दो बड़ी परियोजनाओं की शुरुआत की है। कुनकुरी और जशपुर नगर के बालाछापर में अटल विहार योजना के तहत आवासीय कॉलोनियां विकसित की जाएंगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बताया कि मंडल प्रदेश के सभी 33 जिलों में आवासीय योजनाओं का विस्तार कर रहा है। इसी कड़ी में जशपुर की इन परियोजनाओं से जिले के लोगों के जीवन स्तर में सकारात्मक सुधार होगा। आने वाले दिनों में महुआटोली, कडोरा और पत्थलगांव विकासखंड के ग्राम मदनपुर में भी आवासीय योजनाएं शुरू की जाएंगी। यह परियोजना आवास मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री ओपी चौधरी के विशेष निर्देश पर शुरू की गई है।

क्षेत्र की पहली आधुनिक कॉलोनी कुनकुरी के ग्राम गिनाबहार, कुनकुरी-बगीचा मार्ग पर एनएच-43 से 2 किमी अंदर, करीब 7 एकड़ क्षेत्र मे बनेगी। जिसकी लागत 17 करोड़ 15 लाख 71 हजार रुपये होगी। जिसमें 97 आवास ईडब्ल्यूएस (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) और एलआईजी (निम्न आय वर्ग) के लिए 91 मकान बनेंगे। शासन ने मंडल को 1 रुपये प्रति वर्गफुट की दर से जमीन दी है। पात्र ईडब्ल्यूएस हितग्राहियों को 80 हजार और एलआईजी को 40 हजार रुपये का अनुदान मिलेगा।

मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव ने बताया कि यह कॉलोनी आधुनिक सुविधाओं से युक्त होगी। इसमें सुरक्षा व्यवस्था, चौड़ी सड़कें, हरित वातावरण, समुचित जल निकासी और अन्य अधोसंरचना सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। यह क्षेत्र की पहली सुव्यवस्थित और नियोजित कॉलोनी होगी।

दूसरी कॉलोनी जशपुर ग्राम बालाछापर, रायगढ़ रोड एनएच-43 से महज 200 मीटर की दूरी पर करीब 7 एकड़ क्षेत्र मे बनेगी। जिसकी लागत 34 करोड़ 32 लाख 25 हजार रुपये होगी।

जिसमें 128 आवास + व्यावसायिक दुकानें, एचआईजी-11 मकान, एमआईजी-20 मकान, जूनियर एमआईजी-04 मकान, एलआईजी-55 मकान, ईडब्ल्यूएस-38 मकान बनेंगे। इस कॉलोनी को कवर्ड कैंपस के रूप में विकसित किया जाएगा, जिसमें बस स्टॉप, सामुदायिक भवन, बॉक्स क्रिकेट ग्राउंड, गार्डन, किड्स प्ले एरिया और दुकानें जैसी आधुनिक सुविधाएं होंगी।

बुकिंग शुरू

कार्यपालन अभियंता प्रफुल्ल चौरे ने बताया कि ग्राम मदनपुर पत्थलगांव में भी बुकिंग जारी है। इन सभी योजनाओं की बुकिंग 6 अक्टूबर से शुरू हो चुकी है और प्रथम चक्र 20 अक्टूबर को समाप्त होगा। इच्छुक हितग्राही छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के जशपुर कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

दुलदुला महाविद्यालय में आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर चार सत्रीय कार्यक्रम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। अंतर्राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस के अवसर पर शासकीय महाविद्यालय दुलदुला में मेरा युवा भारत (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार), जशपुर के नेतृत्व में विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मेरा युवा भारत और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ माई भारत नोडल एवं एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी हेमलाल रात्रे ने किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि आपदा कभी बताकर नहीं आती, इसलिए युवाओं का जागरूक होना सबसे जरूरी है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से आह्वान किया कि वे इस ज्ञान को अपने गांव-घर तक ले जाएं और समाज को भी जागरूक करें।

चार सत्रों में बंटा कार्यक्रम, विशेषज्ञ ने बताए बचाव के उपायकार्यक्रम को चार सत्रों में विभाजित किया गया था। पहले सत्र में आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर विस्तृत जानकारी दी गई, दूसरे सत्र में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, तीसरे में वृक्षारोपण और अंतिम सत्र में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित आपदा प्रबंधन विशेषज्ञ स्वर्णकार ने विद्यार्थियों को बाढ़, भूकंप, सूखा, आकाशीय बिजली और आगजनी जैसी आपदाओं से बचाव के व्यावहारिक उपाय बताए। उन्होंने कहा, "आपदा को रोका नहीं जा सकता, लेकिन सही तैयारी और जागरूकता से जोखिम को 90% तक कम किया जा सकता है।"

कार्यक्रम का संचालन विवेकानंद यूथ क्लब, माई भारत के राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक हेमराज सिंह ने किया। उन्होंने वृक्षारोपण और आपदा के बीच के गहरे संबंध को समझाते हुए कहा कि जशपुर जैसे पहाड़ी क्षेत्र में पेड़ों की कटाई से भूस्खलन और जल संकट बढ़ रहा है। अधिक वृक्षारोपण ही प्राकृतिक आपदाओं से बचने का सबसे सस्ता और स्थायी समाधान है।

इसके बाद आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। अंत में महाविद्यालय परिसर में फलदार पौधों का रोपण किया गया। सम्मान सत्र में महाविद्यालय की प्राचार्या श्रीमती निशी एक्का ने सभी प्रतिभागियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। उन्होंने माई भारत की टीम की सराहना करते हुए सभी विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर प्राध्यापिका दास सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम के अंत में माई भारत के राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक प्रियंका साय एवं स्वयंसेवक शिव दयाल चौहान ने आभार व्यक्त करते हुए समापन की घोषणा की।

जशपुर में राजस्व कामकाज ठप, पीवी ऐप के विरोध में पटवारी दूसरे दिन भी हड़ताल पर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। जिले में राजस्व पटवारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल बुधवार को दूसरे दिन भी जारी रही। पीवी ऐप के जरिए फसलों के सत्यापन में आ रही तकनीकी और व्यावहारिक परेशानियों के साथ ही अन्य मांगों को लेकर जिले के सभी पटवारी 13 अक्टूबर से हड़ताल पर हैं। हड़ताल के चलते जशपुर, कुनकुरी, बगीचा, पत्थलगांव और फरसाबहार - पांचों अनुभागों में राजस्व से जुड़े मैदानी काम पूरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। किसानों के आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र, नामांतरण, बंटवारा और फसल बीमा जैसे काम अटक गए हैं।

पीवी ऐप में दिक्कत, फिर भी प्राथमिकता से करने का दबाव

राजस्व पटवारी संघ के जिलाध्यक्ष विनय कुमार श्रीवास्तव और जिला सचिव श्यामू सिंह ने बताया कि पीवी ऐप के जरिए फसलों का भौतिक सत्यापन करने

में कई तरह की दिक्कतें आ रही हैं। नेटवर्क की समस्या, लोकेशन एरर और ऐप हैंग होने से काम पूरा नहीं हो पा रहा।संघ ने पहले भी शासन और विभाग को इन समस्याओं से अवगत कराया था, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला। इसी वजह से पटवारियों को हड़ताल का रास्ता अपनाना पड़ा है।

तबादले और निलंबन का भी विरोध

संघ ने बलौदाबाजार और गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिलों में संघ के पदाधिकारियों और पटवारियों के तबादले का विरोध किया है। इसके साथ ही महासमुंद जिले में पटवारियों के निलंबन की कार्रवाई को भी गलत बताते हुए इसे तुरंत रद्द करने की मांग की है।

तीन प्रमुख मांगें

इनकी मांगे हैं कि पीवी ऐप की तकनीकी खामियों को दूर किया जाए, बलौदाबाजार, जीपीएम में किए गए तबादले और महासमुंद में निलंबन की कार्रवाई वापस ली जाए, वेतन विसंगति और पदोन्नति की लंबित मांगों पर सकारात्मक निर्णय लिया जाए। संघ ने साफ कहा है कि मांगें पूरी होने तक हड़ताल जारी रहेगी। मांगों का समाधान होने तक आंदोलन खत्म नहीं किया जाएगा।

पहले से ही काम का बोझ

पटवारी संघ का कहना है कि उन पर पहले से ही कई सरकारी योजनाओं का बोझ है। इनमें डिजिटल क्रॉप सर्वे, एग्रीस्टैक और किसान पंजीयन, फसल बीमा, जनगणना, फसल कटाई प्रयोग, रेलवे और राष्ट्रीय राजमार्ग सर्वे, स्वामित्व योजना और सेवा संकल्प शिविर जैसे काम शामिल हैं। इसके अलावा प्रोटोकॉल ड्यूटी भी करनी पड़ती है।इतने काम होने के बावजूद पीवी ऐप के जरिए फसलों का सत्यापन प्राथमिकता से पूरा करने का दबाव बनाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री की पहल से तूबा में बन रहा एनिकट, 2.67 करोड़ की लागत से 25 हेक्टेयर में पहुंचेगा पानी, फरसाबहार के किसानों को लाभ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। जिले के किसानों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में दर्जनों एनिकट योजना के तहत करोड़ों रुपए की स्वीकृति मिली है,इस कड़ी में फरसाबहार तहसील क्षेत्र के तूबा एनीकट योजना के लिए 2 करोड़ 67 लाख रुपये लागत से निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार की दिशा में यह महत्वपूर्ण पहल है। एनीकट के निर्माण से किसानों को खेती के लिए पानी उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी और कृषि कार्यों को बढ़ावा मिलेगा। जिले के फरसाबहार तहसील क्षेत्र के ग्राम तूबा में एनीकट का निर्माण से लगभग 25 हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिल सकेगा। इस योजना का लाभ तूबा सहित कदड़बहार, छिरोटोला और जमझोर गांवों के सैकड़ों किसानों को मिलेगा।

तूबा एनिकट जून 2027 तक निर्माण पूरा करने का रखा गया है लक्ष्य

विभागीय जानकारी के अनुसार, तूबा एनीकट निर्माण कार्य को जून 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। निर्माण पूरा होने के बाद क्षेत्र के किसानों को सिंचाई सुविधा का लाभ मिल सकेगा।तूबा एनीकट योजना की स्वीकृति मिलने के बाद कार्य शुरू हो जाने से क्षेत्र के किसानों में खुशी की लहर है,वहीं क्षेत्र के किसानों ने सिंचाई सुविधा के विस्तार के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया है।

खेती-किसानी को मिलेगा सीधा लाभ

एनीकट निर्माण से जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता बेहतर होगी। इससे किसानों को खेती के दौरान होने वाली पानी की समस्या से राहत मिलेगी। स्थानीय स्तर पर सिंचाई सुविधा मजबूत होने से कृषि उत्पादन बढ़ाने की संभावनाएं भी विकसित होंगी।

सामाजिक बहिष्कार के नाम पर 2 लाख की वसूली! 1 लाख लेकर भी नहीं किया शामिल, तत्कालीन अध्यक्ष गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

पत्थलगांव। जशपुर जिले में सामाजिक बहिष्कार के नाम पर अवैध वसूली का सनसनीखेज मामला सामने आया है। समाज से बहिष्कृत व्यक्ति को दोबारा समाज में शामिल करने के लिए 2 लाख रुपये मांगने और 1 लाख रुपये वसूलने के आरोप में पत्थलगांव पुलिस ने समाज के तत्कालीन अध्यक्ष को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। यह पूरा मामला थाना पत्थलगांव क्षेत्र के ग्राम बटुराबहार का है।

कोर्ट में परिवाद से खुला मामला

प्रार्थी गोपाल बंजारा, पिता मनोहर बंजारा, उम्र 31 वर्ष, निवासी बटुराबहार ने माननीय न्यायिक मजिस्ट्रेट, कोरबा के न्यायालय में परिवाद दायर किया था। प्रार्थी ने बताया कि उसे समाज से बहिष्कृत कर दिया गया था।समाज में पुनः शामिल होने के लिए आवेदन करने पर समाज के तत्कालीन अध्यक्ष शेखर प्रसाद बंजारा, सचिव महेंद्र बंजारा तथा वर्तमान अध्यक्ष नंदकिशोर बंजारा एवं सचिव श्यामलाल बंजारा ने उससे पैसों की मांग की। प्रार्थी के अनुसार, तत्कालीन अध्यक्ष शेखर बंजारा ने समाज में वापस लेने के लिए 2 लाख रुपये की मांग की थी। इसमें से 1 लाख रुपये उसने 23 सितंबर 2022 को ट्रांसफर कर दिए थे। प्रार्थी ने अपने एसबीआई खाते से फ़ोनपे के जरिए 60,000 रुपये शेखर बंजारा के खाते में और अपने मित्र के इंडसइंड बैंक खाते से 40,000 रुपये ट्रांसफर किए थे। इसके बाद भी और रकम मांगी जा रही थी।

न्यायालय के आदेश पर दर्ज हुआ केस

माननीय न्यायिक मजिस्ट्रेट, कोरबा ने परिवाद पर सुनवाई के बाद थाना सिविल लाइन रामपुर, कोरबा को अपराध दर्ज करने के निर्देश दिए। चूंकि घटनास्थल पत्थलगांव क्षेत्र का था, इसलिए सिविल लाइन रामपुर में अपराध क्रमांक 00/2026, धारा 308(2),

61(2), 3(5) बीएनएस एवं नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 की धारा 7(2) के तहत अपराध दर्ज कर डायरी पत्थलगांव भेजी गई। थाना पत्थलगांव में अपराध क्रमांक 149/2026 कायम कर विवेचना शुरू की गई।

तत्कालीन अध्यक्ष गिरफ्तार, अन्य की तलाश जारी

विवेचना के दौरान पुलिस ने प्रार्थी और गवाहों के बयान दर्ज किए और संबंधित बैंक खातों की जानकारी निकाली। साक्ष्य के आधार पर पुलिस ने आरोपी शेखर प्रसाद बंजारा, पिता राजकुमार बंजारा, उम्र 32 वर्ष, निवासी बटुराबहार (गौटियापारा) को 13 अक्टूबर को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया। प्रकरण में अन्य आरोपी महेंद्र बंजारा, नंदकिशोर बंजारा और श्यामलाल बंजारा फरार हैं, जिनकी पतासाजी की जा रही है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी पत्थलगांव निरीक्षक जितेंद्र कुमार ताम्रकार और उनकी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर डॉ. लाल उमेद सिंह ने बताया कि समाज से बहिष्कृत कर वापस शामिल करने के नाम पर रुपयों की मांग करना कानून के दायरे में गंभीर अपराध है। इसमें संलिप्त किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा और कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दर्रीपारा अंबिकापुर छ. ग. पिन नं. 497001 से मुद्रित व वार्ड क्र. 10 कुनकुरी जशपुर से प्रकाशित। संपादक - लक्ष्मण सिंह